ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 13 Issue No. 10 Faridabad (NCR) Sunday, 16-30 June 2024 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

बाबाओं के मायाजाल में फंसती भीड़

Alive News

आजकल विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद वे एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरुओं के यहां लाखों का चढावा चढाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि से पिछले रसायन ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं.... पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का का किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िये, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है? आजकल विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद वे एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरुओं के यहां लाखों का चढावा चढाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं। सवाल यह उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि से पिछले रसायन ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदाकर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है। यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं बिना यह महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का भी जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अकसर इनके मल्टीटैलेंटेड(?) होने का आभास कराती है। ये अकसर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट(फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने का, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं और इनका बैंक बैलेंस बढाते हैं। देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने भी का काम किया जाने लगा।

धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। वे ऐसे काम भी करने लगे जो राज्यसत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं। इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ाकर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं और फिर उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेाल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी-खासी संख्या होती है इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी का करते हैं। किसी बात पर आंख मूंदकर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से किस कदर तर्कहीन काम करा सकती है।

इस वर्ग के लोग आंखें मूंदकर दूसरों का अनुसरण करते है और अपने विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। वे किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें, तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं। इन लोगों का आइक्यू बेहद कम होता है और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। आज बहुत सारे लोगों में भीड का अनुसरण करने की मानसिकता है।

भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में होगी बेतहाशा वृद्धिः वायु सेना प्रमुख वीआर चौधरी

Hyderabad/Alive News

वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि हथियार प्रणाली स्कूल के निर्माण के साथ, जमीन आधारित और विशेषज्ञ हथियार प्रणालियों के संचालक एक मंच पर आ जाएंगे, जिससे भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे इस एक नवगठित शाखा में अग्रणी है। इस कारण वे ऐसे स्तंभ हैं जिन पर परिकल्पित प्रशिक्षण व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी है। इससे वायु सेना सुदृढ़ होगी। स्कूल के संस्थापक सदस्यों की प्रशंसा करते हुए, वायु सेना प्रमुख ने सभी कर्मियों से देश में हथियार प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए स्कूल को एक नोडल केंद्र के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया।

वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने हैदराबाद के एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट में हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के इतिहास में एक नया अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने 08 अक्टूबर, 2022 वायु सेना दिवस परेड समारोह के दौरान हथियार प्रणाली स्कूल के गठन की घोषणा की थी। वर्ष 2022 में भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की एक नई इकाई हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) को स्वीकृति देने के बाद इसकी शुरूआत हुई। भारतीय वायु सेना को भविष्योन्मुख बल के रूप में पुनः व्यवस्थित करने और समयानुसार परिवर्तित करने के उद्देश्य से, इस नए प्रशिक्षण प्रतिष्ठान का गठन किया गया है। सामान्य रूप से सशस्त्र बलों और विशेष रूप से भारतीय वायु सेना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

वायु सेना प्रमुख का स्वागत हथियार प्रणाली स्कूल के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल प्रेमकुमार कृष्णस्वामी ने किया। उद्घाटन समारोह में एयर मार्शल नागेश कपूर, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान और भारतीय वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें एयर फोर्स अकादमी के कमांडेंट, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर के कमांडेंट, एयर फोर्स स्टेशन (हकीमपेट) के एयर ऑफिस कमांडिंग, और एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट के स्टेशन कमांडर शामिल थे। हथियार प्रणाली शाखा (डब्ल्यूएसएस) प्रकृति के अनुकूल प्रभाव आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आवश्यकताओं के अनुरूप नवगठित शाखा के अधिकारियों को तैयार करेगा। हथियार प्रणाली शाखा के फ्लाइट कैडेट इस संस्थान में अपने दूसरे सेमेस्टर का प्रशिक्षण लेंगे।

अजित डोभाल की टीम की बढ़ी ताकत, मिला नया अतिरिक्त एनएसए

New Delhi/Alive News

एनएसए अजित डोभाल के पास अब एक अतिरिक्त एनएसए और तीन डिप्टी एनएसए होंगे जो उनके अधीन काम करेंगे। पूर्व सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) प्रमुख पंकज कुमार सिंह डिप्टी एनएसए के रूप में जारी रहेंगे कपूर एनएसए कार्यालय में विक्रम मिसरी का स्थान लेंगे। भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की टीम की ताकत बढ़ी है। उन्हें एक नया एडिशनल एनएसए मिला है। पूर्व रॉ चीफ राजिंदर खन्ना को अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया। इससे पहले वे डिप्टी एनएसए की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इनके अलावा दो नए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भी नियुक्ति की गई। आईपीएस अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर टीवी रविचंद्रन के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में सचिव पवन कपूर को इस पद की जिम्मेदारी दी गई है। तीनों ही अधिकारी एनएसए अजित डोभाल के साथ मिलकर काम करेंगे।

आपको बता दें कि राजिंदर खन्ना 2014 से 2016 तक रॉ प्रमुख के पद पर तैनात थे। उनकी अतिरिक्त एनएसए के रूप में नियुक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में निरंतरता बनाए रखने पर नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के साथ जोड़ कर देखा जा रहा है। इसी निरंतरता सिद्धांत के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया, जो कि पीएम मोदी के कार्यकाल के साथ ही समाप्त हो जाएगा। नए एडिशनल एनएसए राजिंदर खन्ना ओडिशा कैडर के 1978 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने दिसंबर 2014 से दिसंबर 2016 तक रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) प्रमुख के रूप में कार्य किया। इससे पहले वह एजेंसी में ऑपरेशन डेस्क के प्रभारी थे और उन्हें पाकिस्तान और आतंकवाद विरोध में उनकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

राजिंदर खन्ना को जनवरी 2018 में डिप्टी एनएसए के रूप में नियुक्त किया गया था। खन्ना इससे पहले प्रौद्योगिकी और खुफिया (टी एंड आई) अनुभाग का भी नेतृत्व कर चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है, जो पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल सहित पड़ोसी देशों के नीति दस्तावेज तैयार करता है।

बस के फेल हुए ब्रेक,सैनिकों ने बचाई 40 तीर्थ यात्रियों की जान

New Delhi/Alive News

सुरक्षा बलों की सूझबूझ ने अमरनाथ यात्रा से लौट रही बस के साथ बड़े हादसे को टाल दिया। इस बस में करीब 40 लोग सवार थे। यह बस अमरनाथ से होशियारपुर के रास्ते पर थी। इसी दौरान नेशनल हाईवे 44 पर बस ने रामबन के पास कंट्रोल खो दिया। इसकी वजह थी कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे और ड्राइवर इसे रोक नहीं पा रहा था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में दिखता है कि लोग चिल्ला रहे हैं कि बस के ब्रेक फेल हो गए हैं। इसके साथ ही हाईवे पर पेट्रोलिंग में तैनात सैनिक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सक्रिय हो जाते हैं। आगे की टीम को अलर्ट किया जाता है और पीछे से भी कुछ सैनिक मदद के लिए भागते हैं। बस के रास्ते में पत्थर लगा दिए जाते हैं ताकि वह रुक जाए और सड़क से नीचे फिसलकर खाई में न गिर जाए। सौभाग्य रहा कि सैनिकों की मेहनत रंग लाई और बस को हादसे से बचा लिया गया।

इंद्रदेव के सामने मौसम विभाग फेल, बार-बार बदल रहा चेतावनी

दिल्ली-एनसीआर को नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत

New Delhi/Alive News

हर बार की तरह एक बार फिर मौसम विभाग सटीक भविष्यवाणी बताने में फेल हो रहा है। इंद्रदेव के सामने आईएमडी की एक नहीं चल रही है। मौसम विभाग ऐसी फिरकी ले रहा है कि आम आदमी क्या, आईएमडी भी कन्फ्यूज है। मौसम विभाग बार-बार चेतावनी जारी करता है आज भारी बारिश होती या बारिश का अलर्ट जारी करता है लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। न तो बारिश हो रही और न गर्मी कम हो रही। दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी है, लेकिन बारिश का अता-पता नहीं। यह सवाल आईएमडी से पूछा जाना चाहिए कि आखिर उसके अनुमान फेल क्यों हो रहे हैं। बारिश की चेतावनी के बाद भी बादल क्यों नहीं बरस रहे। आखिर आईएमडी सटीक अनुमान बताने में क्यों फेल हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की एंट्री तो हो गई है लेकिन नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत। अभी तक दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन बारिश हुई है। मौसम विभाग बार-बार अलर्ट जारी कर रहा है कि बारिश होने वाली है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बादल तो छा रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। केवल दिल्ली ही नहीं, आज दिल्ली के अलावा, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और यूपी में भी बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी के पूर्वानुमान फेल हो रहे हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली को लेकर बार-बार आईएमडी को अपना अलर्ट बदलना पड़ रहा है। पहले मौसम विभाग ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया था बाद में उसे ऑरेंज में बदल दिया। यानी पहले हल्की बारिश और बाद में फिर मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया। मौसम विभाग ने सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार तक के लिए दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया था लेकिन अब तक दिल्ली-एनसीआर वाले बारिश का इंतजार ही कर रहे हैं।

हाथरस घटना ने प्रशासन और पुलिस तंत्र की प्लानिंग को उजागर कर दिया

यूपी के पूर्व डीजीपी बोले- बड़े पैमाने पर हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी

New Delhi/Alive News

हाथरस। भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड़ में हुई मौतों के बाद अब इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। योगी सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान डीजीपी रहे ओपी सिंह ने कहा कि हाथरस की है। इतने बड़े पैमाने पर मौतों के लिए जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। पूर्व डीजीपी सिंह ने कहा कि प्रशासन ने प्लानिंग पर काम नहीं किया। इसका परिणाम है कि यह घटना घटी हैं। हाथरस की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और कई सवालों को जन्म देती है। सबसे पहले प्रशासनिक नजरिए हमको यह पता लगाना होगा कि ऐसी क्या चूक हुई है, जिसे इन घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने दें। क्रीमिनल एलिमेंट की बात करते हैं तो इसमें कई सारे स्टेक होल्डर चाहे वह व्यवास्थपक हों, पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन की भी जांच करने की जरूरत है। इस घटना की गहराई तक जाने के लिए प्रशासनिक चूक की पहचान करनी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी बहुत बड़ा प्रदेश है। यहां हर साल 70 हजार से ज्यादा धार्मिक आयोजन होते हैं। हर छठे साल प्रयागराज में कुंभ होता है। इस मेले में लाखों लोग आते हैं। हाल के वर्षों में इस तरह की एक भी घटना नहीं हुई है। ऐसे में हाथरस में कैसे घटना हो गई? पुलिस और सरकार के लिए क्राउड मैनेजमेंट एक बड़ा विषय भी है। आयोजक जब इन आयोजनों के लिए मंजूरी लेते हैं तो जाहिर है कि हमें रिस्क एनालेसिस और क्राउड मैनेजमेंट की जरूरत है। हमारा इवेंट मैनेजमेंट आयोजकों के तरह से क्या रहेगा? प्रशासन की तरह से क्या-क्या बंदोबस्त किए जाएंगे? भीड़ में आने वाले लोगों के लिए क्या फैसिलिटी देंगे? क्राउड डेनसिटी यानी भीड़ का घनत्व पर भी हमारी प्लानिंग होनी चाहिए, जो हाथरस हादसा वाली जगह पर नहीं दिखी. सिंह आगे कहते हैं, भीड़ का साइंटिफिक मैनेजमेंट जरूरी है। पैनिक का क्या महत्व है, भीड़ का मुवमेंट क्या होना चाहिए। 121 लोगों की मौत हुई है इसका क्या कारण रहा होगा।

राहुल के हिंदू वाले बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

-बिना शर्त माफी मांगें नेता प्रतिपक्ष, तेजस्वी सूर्या समेत कई नेता हिरासत में

New Delhi/Alive News

संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदुओं को लेकर टिप्पणी की उसे लेकर हंगामा मचा हुआ है। संसद में ही नहीं सड़क पर भी बीजेपी नेता अब कांग्रेस को घेर रही है। दिल्ली में बीजेपी ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, और कर्नाटक से सांसद तेजस्वी सूर्या को हिरासत में ले लिया। इस विरोध प्रदर्शन में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज समेत कई नेता कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी कांग्रेस मुख्यालय के सामने जुटे थे। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को हिंसक कह कर अपमानित किया है। अब मैं आग्रह करता हूं कि राहुल बिना शर्त हिंदू समाज से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि हम बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय का घेराव करेंगे और जब तक माफी नहीं मांगेंगे तब तक युवा मोर्चा ऐसे विरोध प्रदर्शन करता रहेगा। वहीं, नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने लोकसभा में राहुल गांधी के दिए बयान को झूठा करार बताया और उन्हें चुनावी हिंदू बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने झूठ का सहारा लेकर हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति पर अभद्र टिप्पणी की है। हिंदू हिंसक नहीं है। समाज वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर चलता है। यानी पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। माननीय राहुल गांधी एक चुनावी हिंदू हैं। जब उनको वोट बैंक की राजनीति करनी होती है तो जनेऊ धारण कर रुद्राभिषेक का नाटक करते हैं। बांसुरी ने इंडिया गठबंधन की विवादित टिप्पणियों पर भी कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब सदन में खड़े होते हैं तो उनकी असली हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी मानसिकता परिलक्षित होती है लेकिन ये पहली बार नहीं है। इंडी गठबंधन बार बार सनातन धर्म का अपमान करता रहा है। डीएमके, जो इंडी गठबंधन का पार्टनर है, ने कह दिया था कि सनातन धर्म एक बीमारी है। उन्होंने सनातन संस्कृति को उखाड़ फेंकने की बात भी की थी। तब भी कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुप्प रहे थे। अब ये सदन में बढ़चढ़कर झूठ बोल रहे हैं। इसलिए अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी के वक्तव्य को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। जो रोज हमें समझाते हैं, हिंदू हिंसक होते हैं, ये संसद में चिल्लाते हैं...तो कुछ ऐसे ही हैं राहुल गांधी। उनका बयान निंदनीय और शर्मनाक है। पूरा हिंदू समाज राहुल गांधी का बहिष्कार करेगा। राहुल गांधी को माफी मांगनी होगी। एक सवाल पर कि कांग्रेस पूरे समाज को नहीं, सिर्फ बीजेपी को ऐसा कह रही है। इस पर सचदेवा ने कहा, कांग्रेस का गैंग जस्टिफाई करने की कोशिश कर रहा है। वह एक समाज विशेष को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। सवाल है कि राहुल गांधी को अपनी बहन को वायनाड से चुनाव लड़ाना है तो क्या इस तरह के बयान देंगे? हमारी मांग है कि राहुल गांधी माफी मांगें।

लिक्विड इंजीनियरिंग में बढ़ गए कैरियर के मौके

निजी कंपनियों के भारतीय पेट्रोलियम कारोबार में प्रवेश करने से लिक्विड इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए कॅरियर के और अधिक अवसर उत्पन्न होने लगे हैं...

लिक्विड इंजीनियरिंग का संबंध मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से है। इन दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की आवश्यकता जीवन में काफी बढ़ गई है। इसके बिना कई दैनिक कार्य संभव नहीं हैं। इस क्षेत्र में भारत एशिया के तेल और प्राकृतिक गैस बाजार में बड़ा खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। इस समय भारत में इस क्षेत्र से लाखों लोग प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जुड़े हैं।

बढ़ती जरूरत

हमारे देश में जिन क्षेत्रों का बहुत तेजी से विकास हो रहा है, पेट्रोलियम और ऊर्जा उनमें से एक है। भारत की बड़ी इंडस्ट्रीज में पेट्रोलियम इंडस्ट्री का क्रम सबसे ऊपर आता है। तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग तथा अन्य तेल कंपनियां इस क्षेत्र में भारी लाभ अर्जित रही हैं। पेट्रोलियम और विभिन्न पेट्रो प्रोडक्ट्स के बढ़ते इस्तेमाल के कारण इस फील्ड में कुशल पेशेवरों की काफी मांग रही है।

कार्य प्रकृति

तेल उद्योग को अपस्ट्रीम (अन्वेषण और उत्पादन) तथा डाउनस्ट्रीम (रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण) क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें सभी स्तरों पर कॅरियर निर्माण के शानदार अवसर उपलब्ध हैं। लिक्विड (पेट्रोलियम) उद्योग के तहत भूगर्भशास्त्रियों, जियो फिजिस्ट और पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए अपस्ट्रीम गतिविधियों एवं केमिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रोडक्शन इंजीनियरों के लिए डाउनस्ट्रीम गतिविधियों में कॅरियर के विकल्प उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियर विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, ठेकेदारों और ड्रिलिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करते हैं।

कोर्स कैसे-कैसे

लिक्विड (पेट्रोलियम) इंजीनियरिंग के कोर्स अंडरग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट दोनों स्तरों पर संचालित किए जाते हैं। बीटेक के 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा गणित विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एमटेक पाठ्यक्रम पेट्रोलियम, पेट्रोकेमिकल, केमिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए खुला है। यह जरूरी नहीं कि इस सेक्टर का द्वार केवल पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए ही खुला है। मार्केटिंग और प्रबंधन क्षेत्र के युवाओं के लिए भी इसमें

काफी अवसर हैं।

मौके कहां-कहां

पेट्रोलियम से संबंधित स्नातकों के लिए कॅरियर निर्माण के तमाम उजले अवसर उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियरों की बढ़ती मांग का ही परिणाम है कि इन्हें अच्छे वेतन पर आकर्षक रोजगार देने के लिए पेट्रोलियम कंपनियां हमेशा तैयार रहती हैं।

चूंकि सारी दुनिया में सुरक्षित तथा किफायती ऊर्जा संसाधनों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, इसलिए इन प्रोफेशनल की मांग का सिलसिला आगामी दशकों में भी जारी रहेगा। पेट्रोलियम उत्पादन कंपनियों, कंसल्टिंग इंजीनियरिंग कंपनियों, कुओं की खुदाई करने वाली कंपनियों के साथ-साथ ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स के अलावा रिसर्च और शैक्षणिक संस्थानों में आकर्षक वेतनमान पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में पैसों की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए प्रोफेशनल कॅरियर के अलावा रिसर्च के क्षेत्र में भी अच्छे अवसर? हैं। वह रिसर्च लैब में बतौर साइंटिस्ट या रिसर्च फेलो के रूप में अनुसंधान तथा विकास कार्य कर सकते हैं। विदेशों, खास तौर पर खाड़ी देशों में भी पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए कॅरियर निर्माण के ढेरों अवसर मौजूद हैं।

मुख्य संस्थान

- राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, रायबरेली
- इंडियन ऑयल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गुड़गांव
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गांधीनगर
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, गांधीनगर

सफलता चाहिए तो दूरदर्शी बनें

सफलता उसी को मिलती है जो दूरदर्शी होते हैं लेकिन आज के कई युवाओं में दूरदर्शिता का अभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। दूरदर्शी न होने के कारण वे सभी दृष्टियों से सक्षम होते हुए भी असफलता का सामना कर रहे हैं और अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

यदि आप भी सफलता चाहते हैं तो दूर की सोच रखिए। इसके बिना आपके मार्ग में बाधाएं आती रहेंगी और आपको असफलता का सामना करते रहना पड़ेगा। जब भी आप किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फॉर्म भरते हैं या किसी नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो आप उसी दिन से अपना लक्ष्य पाने के लिए तैयारी शुरू कर दीजिए। मान लीजिए कि आपने किसी पद के लिए आवेदन पत्र भरा। यदि वह सीधी भर्ती है तो आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना पड़ेगा। आप यह निश्चय करके साक्षात्कार की तैयारी शुरू कर दीजिए कि आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना ही है। इस बात का इंतजार मत कीजिए कि साक्षात्कार के लिए जब आपको बुलावा पत्र मिल जाएगा, तभी आप तैयारी शुरू करेंगे। यदि आप साक्षात्कार के लिए तैयारी कर लेते हैं और आपको बुलावा पत्र नहीं भी मिलता, तब भी आप घाटे में नहीं रहते। आपकी तैयारी उस नौकरी के लिए काम न आई तो क्या हुआ, आपने सामान्य ज्ञान वगैरह की जो तैयारी की है, वह दूसरी नौकरी के प्रयास में काम आएगी। आपके इस प्रयास में आपका ज्ञानार्जन ही होगा, साक्षात्कार में सफल होने की संभावना बढ़ेगी और आपकी दूरदर्शिता आपकी सफलता का द्वार खोलेगी।

कई ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएं हैं, जो प्राय- हर साल आयोजित की जाती हैं। इन प्रतियोगी परीक्षाओं में से किसी एक में आप को बैठना है तो लक्ष्य बनाकर तुरंत उसकी तैयारी शुरू कर दें। ऐसा नहीं कि जब उक्त प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन संबंधी विज्ञापन जारी होगा और जब आप परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भर देंगे, तभी परीक्षा की तैयारी शुरू करेंगे। ऐसा करना अनुचित है। ऐसा करने वाले युवाओं को समयाभाव का सामना करना पड़ता है और उन्हें सफलता नहीं मिलती। स्कूल या महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में वे अच्छे अंकों के साथ सफलता अर्जित करते हैं जो शुरू से ही अर्थात शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही पढ़ाई में ध्यान देते हैं। उनका लक्ष्य परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाना होता है। वे अपने लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही तैयारी में जुट जाते हैं जबकि जो छात्र परीक्षा के नजदीक आने पर तैयारी शुरू करते हैं, वे या तो असफलता का सामना करते हैं या उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती। जैसे कि पहले तो अनिल ने केवल अपनी स्कूलीय और महाविद्यालयीन पढ़ाई की ओर

ध्यान दिया। इस बीच उसने किसी तरह की प्रतियोगी परीक्षा वगैरह के लिए फार्म नहीं भरा। उसका लक्ष्य स्कूल और कालेज की परीक्षाओं में उच्च श्रेणी हासिल करना था। उसने कड़ी मेहनत की और वह अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ। उसने मैरिट में स्नातक किया।

स्नातक होने के बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में सोचा। इसके लिए उसने बैंक के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का निश्चय किया। फिर उसने बैंक की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी। तैयारी के लिए लिए उसने आवेदन भरने तक भी इंतजार नहीं किया क्योंकि उसे मालूम था कि हर साल बैंकों में विभिन्न पद हेतु प्रतियोगी परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी होते हैं।

उसकी मेहनत रंग लाई। वह बैंक अफसर हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही सफल हो गया। वह इसलिए सफल हुआ क्योंकि वह दूरदर्शी था। यदि वह दूर की सोच नहीं रखता तो उसे इतनी आसानी से सफलता नहीं मिलती। वास्तव में जो दूरदर्शी होते हैं, उन्हें सफलता आसानी से मिल जाती है और उनके होने की संभावना का प्रतिशत भी अपेक्षाकृत अधिक होता है। अत- आप भी दूरदर्शी बनिए और श्रेष्ठ सफलता पाइए।

हिंदी में कॅरियर की राह

पाठ्यक्रमों पर नजर- हिंदी से संबंधित कोर्स ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी स्तर के हैं। कुछ संस्थानों में हिंदी से संबंधित पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में भी दाखिला लिया जा सकता है। ऐसे कोर्स हिंदी ट्रांसलेशन, हिंदी जर्नलिज्म, हिंदी स्क्रिप्ट राइटिंग, रेडियो जॉबी आदि से संबंधित होते हैं।

अवसर कैसे-कैसे

हिंदी से संबंधित उचित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त कर लेने के बाद केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिंदी ऑफिसर, लिपिक, स्टेनोग्राफर, हिंदी ट्रांसलेटर आदि के रूप में नियुक्ति के मौके मिलते हैं। आम लोगों तक पहुंचने के लिए प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक हिंदी जानने वालों की मांग बनी रहती है। अब तो ऑनलाइन जर्नलिज्म में भी रिक्तियां निकलती रहती हैं। इसके अलावा रेडियो पर भी अवसर मिलते हैं। ट्रांसलेटर और द्विभाषिए की अहमियत भी आज के वैश्विक माहौल में काफी बढ़ गई है। फिल्मों, विज्ञापनों और धारावाहिकों में हिंदी स्क्रिप्ट राइटरों के बगैर तो काम चल ही नहीं सकता। कॉल सेंटर में भी हिंदी के आधार पर मौके मिलते हैं। हिंदी के जानकार आईटी सेक्टर में भी अवसर हैं। सदाबहार टीचिंग तो है ही।

वेतनमान - जॉब की जैसी प्रकृति होती है, उसी के अनुसार वेतन का निर्धारण किया जाता है। कंपनी की रूपरेखा के आधार पर भी आपका वेतन तय होता है।

सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य

ओड़ीसा तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के क्रमश- कोरापुट, मलकानगिरी तथा कानकेर जिलों में नक्सल विरोधी आपरेशन पर भी सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया। एक तरफ इस बल ने नक्सलियों के हमलों का बहादुरी से सामना किया तो दूसरी तरफ कानकेर (छत्तीसगढ़) तथा कोरापुट एवं मलकानगिरी (ओडीसा) के दूर-दराज के जिलों के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के गरीब निवासियों से सम्पर्क साधने के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय निवासियों के लिए चिकित्सा शिविर लगाकर तथा खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कर तथा स्कूल के बच्चों को पुस्तक और टीवी, ट्रान्जिस्टर, कपड़े तथा आवश्यक वस्तुएं वितरित कर उनका भरोसा जीता गया।

यही क्या, आपदा के समय भी सीमा सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई है। बीते वर्ष उत्तराखण्ड में भारी प्राकृतिक विपदा के बाद वहाँ पर राहत कार्य एवं पुर्नवास कार्य के लिए सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया था। सीमा सुरक्षा बल ने स्वयं ही कालीमठ घाटी के 12 गाँवों में मूलभूत सुविधाएं पुन- बनाने तथा पुर्नवास का बीड़ा उठाया। इस अभूतपूर्व कार्य के कारण उस राज्य में सीमा सुरक्षा बल को देवदूत के नाम से पुकारा गया। इन लोकहितैषी कार्यक्रमों से न केवल लोगों की विशेषकर अल्पसुविधा प्राप्त लोगों की सहायता की गई बल्कि समाज और सीमा सुरक्षा बल के बीच आपसी समझ में वृद्धि भी हुई। सीमा सुरक्षा बल आज हर तरह की भूमिकाएं निभा पा रहा है तो जाहिर है कि अपने बहादुर जवानों की बदौलत। सीमा सुरक्षा बल का गीत है-भारत के हर प्रांत से बहादुरों का दल। यह है सीमा सुरक्षा बल। सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य। इस गीत व आदर्श वाक्य को सीमा सुरक्षा बल के जवान हमेशा चरितार्थ करते आए हैं। सीमा सुरक्षा बल के ये वही बहादुर जवान हैं जो अपार कष्ट सहकर भी देश की सरहद की हिफाजत करते हैं। सरहद की रक्षा के लिए वे 18000 फीट ऊंची वर्फ की जगह पर तैनात रहते हैं फिर अचानक मैदानी इलाके में या जल मार्ग पर उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाता है। सुंदरवन में नदी के बीचोंबीच

जहाज पर अभी जो जवान तैनात हैं, वे सीधे कश्मीर से आए हैं। इस जहाज पर सेटलाइट रिसीवर नहीं है इसलिए महीनों से ये जवान अपने परिजनों से भी बात नहीं कर पाते। ट्रांजिस्टर जैसा मनोरंजन का भी कोई साधन वहां नहीं है। फिर भी वे जल मार्ग से सीमा पर मुस्तैद रहते हैं। सीमा पर सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिला जवान भी मुस्तैद रहती हैं। उनकी मुस्तैदी देखनी हो तो भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित सीमा चौकी कल्याणी जाइए वहां महिला सीमा प्रहरी प्रतिदिन बारह घंटे तक खड़े रहकर सीमा पर पहरा देती दिख जाएंगी। वे यह कहती नजर आएंगी कि जब पुरुष सीमा प्रहरी बारह घंटे तक सीमा पर पहरा दे सकते हैं तो स्त्री प्रहरी क्यों नहीं दे सकती? सीमा प्रहरियों के लिए शांत पोस्टिंग तथा फील्ड पोस्टिंग में कोई अन्तर नहीं है क्योंकि उनके लिए यह जीवन पर्यन्त कर्तव्य है। सीमा पर जहां ये जवान पहरा देते हैं, वहां न पेयजल का प्रबंध है न चाय आदि का। वे अपनी ड्यूटी में इस कदर व्यस्त रहते हैं कि उन्हें कभी चाय-पानी की कमी महसूस नहीं होती।

सीमा सुरक्षा बल की जिम्मेदारी शांति के समय भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निरंतर निगरानी रखना, भारत भूमि सीमा की रक्षा करना और सीमा पर होने वाली तस्करी, घुसपैठ और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों में सुरक्षा बोध को विकसित करने की जिम्मेदारी भी उसे दी गई है। सीमा सुरक्षा बल के गठन के पहले सीमाओं पर संबंधित राज्यों के सशस्त्र पुलिस बल तैनात थे तथापि 09 अप्रैल 1965 को गुजरात में सरदार पोस्ट, छार बेट तथा बेरिया बैट सीमा चौकियों पर हुए पाकिस्तानी आक्रमण के बाद इन संवेदनशील सीमाओं की एक समान सशस्त्र बल द्वारा निगरानी कर सुरक्षित रखने की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की गई। तब समय की मांग एक ऐसे बल की थी जो सीमाओं की सुरक्षा के लिए थल सेना की तरह प्रशिक्षित हो तथा सीमा पार अपराध को रोकने में भी सक्षम हो। यानी उसका दिल सेना का हो और आत्मा पुलिस की। इसी उद्देश्य के लिए गठित सचिवों की एक समिति की सिफारिश के अनुसार 01 दिसम्बर 1965 को के. एफ. रूस्तमजी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा बल का गठन किया गया था। इस बल की कार्यक्षमता में क्रमश- वृद्धि होती गई और आज यह बल देश के उत्तम भरोसेमंद व्यावसायिक बलों में एक है। सीमा सुरक्षा बल को 25 वाहिनियों से प्रारंभ किया गया था, उस बल में आज 175 वाहिनियां हैं जो पवित्र, दुर्गम रेगिस्तानों, नदी-घाटियों और हिमाच्छादित प्रदेशों तक फैली 6,385.36 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती हैं।

स्थानीय निकाय मंत्री के आदेश के बाद नगर निगम फरीदाबाद एक्शन मोड में!

Faridabad/Alive News

गत दिवस फरीदाबाद दौर पर पहुंचे स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने सफाई को लेकर निगम अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। जिससे नगर निगम फरीदाबाद और विकास को लेकर चौकन्ना हो गया। निगमायुक्त मोना ए श्रीनिवासन के आदेश पर नगर निगम को चार जोनों में बांट कर चार एक्सईएन स्तर के अधिकारियों के अलावा 200 से ज्यादा सफाई व विकास से जुड़े अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई है। मंत्री की फटकार के बाद एक्शन मोड में आए निगम अधिकारी समूचे क्षेत्र से गुजरने वाले नाले-नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दे रहे है तथा बरसातों पूर्व सभी ड्रेनेज को दुरूस्त कर लिया जाएगा। ओल्ड फरीदाबाद में तैनात एक्सईएन ने कहा कि उन्होंने लोगों को राहत प्रदान करने के लिए तिगांव रोड, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, सैक्टर-87, सेहतपुर रोड़, शिव कालोनी, कृष्णा कॉलोनी, पल्ला नम्बर-1, वेदराम कॉलोनी, सेहतपुर मेन, नहरपार तिगांव रोड, चौ. चरण सिंह मार्ग नजदीक खेड़ी पुल, पदम नगर इंदिरा काम्पलैक्स कॉलोनी सेक्टर-87 सहित समूचे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को पंखे लगाए है साथ ही 50 से ज्यादा सीवरेज के ढक्कन भी बदल दिए गए है।

कौशल निगम के जरिए बीजेपी खत्म कर रही है आरक्षण और मेरिट : विजय प्रताप

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद से कांग्रेस नेता विजय प्रताप का कहना है कि बीजेपी दलित और पिछड़ा विरोधी मानसिकता से पीड़ित है। इसीलिए ये सरकार हरियाणा से सरकारी शिक्षा, पक्की नौकरी और एससी-ओबीसी का आरक्षण खत्म कर रही है। इसके लिए सरकार ने सरकारी संस्थाओं की फीस में कई-कई गुणा बढ़ोत्तरी कर दी है। एमडीयू की फीस में सीधे 5 गुणा तक फीस बढ़ाकर सरकार ने गरीब, किसान, एससी और ओबीसी परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा से दूर करने के प्लान को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। इसे पहले बीजेपी ने कौशल निगम के जरिए कच्ची भर्तियां शुरू करके आरक्षण, मेरिट और पारदर्शिता को खत्म कर दिया है। प्रदेश में 2 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं, लेकिन सरकार इसलिए उनपर पक्की भर्तियां नहीं कर रही, क्योंकि पक्की भर्तियों में दलित-पिछड़ों को आरक्षण देना पड़ेगा। लेकिन बीजेपी नहीं चाहती कि इन वर्गों को आरक्षण व नौकरी मिले। शिक्षण संस्थानों की हालत ऐसी हो गई है कि यूजीसी ने प्रदेश की 2 सरकारी यूनिवर्सिटीज महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा राई को डिफॉल्टर की सूची में डाल दिया है। इससे पहले प्रदेश सरकार ने खुद नोटिफिकेशन जारी किया था कि सरकार प्रदेश की किसी यूनिवर्सिटी को फंड नहीं देगी। उसे अपने खर्चे खुद निकालने होंगे। यहीं से शिक्षण संस्थानों में बेतहाशा फीस बढ़ोत्तरी का सिलसिला शुरू हुआ। विजय प्रताप ने कहा कि बीजेपी ने आरक्षण को सिर्फ कागजों तक सीमित कर दिया है। क्योंकि जब सरकारी शिक्षा और सरकारी नौकरियां ही नहीं होंगी तो आरक्षण अपने आप खत्म हो जाएगा। आरक्षण को खत्म करने के लिए ही इस सरकार ने पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर लिमिट को कम किया। केंद्र में क्रिमी लेयर की जो लिमिट 8 लाख है, उसे हरियाणा सरकार ने घटाकर 6 लाख कर दिया है। इसके चलते लाखों ओबीसी परिवारों का आरक्षण खत्म हो गया है। लेकिन कांग्रेस सरकार बनने पर इसे बढ़कर 10 लाख किया जाएगा। विजय प्रताप ने बीजेपी की एससी-ओबीसी विरोधी सोच का एक और उदाहण पेश किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा की हार के बाद अब बीजेपी 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट बांटने की बात कह रही है। जबकि कांग्रेस सरकार ने एससी-ओबीसी के गरीब परिवारों को प्लॉट बांटने की ये क्रांतिकारी योजना शुरू की थी। इस योजना के जरिए लगभग 4 लाख परिवारों को 100 गज के मुफ्त प्लॉट बांटे गए थे। कांग्रेस ने 7 लाख से ज्यादा परिवारों को प्लॉट देने की योजना बनाई थी। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही इस योजना को बंद कर दिया। इसीलिए 3 लाख से ज्यादा परिवारों को प्लॉट नहीं मिल पाए।

भारत के महान क्रांतिकारी थे डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जीः नगेंद्र भड़ाना

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

Faridabad/Alive News

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर एनआईटी क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नगेंद्र भड़ाना व व्यापार मंडल के तत्वाधान में उत्सव बैक्वेंट हॉल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेदांता हॉस्पिल के अनुभवी डाक्टरों ने 276 मरीजों की शुगर, बीपी, ईसीजी सहित कई अन्य प्रकार की जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवाईयां व परामर्श दिए गए। इस दौरान पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपना सारा जीवन भारत की सेवा में समर्पित कर दिया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूंगा। डॉ. मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिये 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। श्री भड़ाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से 370 हटाकर सही मायनों में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने का काम किया है और भारत को मजबूत और सशक्त बनाने में जुटे हुए है। इस मौके पर व्यापार मंडल प्रधान सुरेंद्र रावत, विजय बंसल, श्री चंद, राकेश मित्तल, तरुण जैन, संत जी, हर्ष कालरा, दिलीप उर्फ बबलू, ठाकुर जी, पंडित जी, अशोक रॉयल, दीपक रावत, प्रदीप भट्ट, विक्की फगाना, राकेश खटाना, मामचंद प्रधान, ठाकुर सिंह, कठत जी, धीरेंद्र, नवीन सैनी, सुनील मुदगल, विनोद रावत, वीरेंद्र गौर, चंदन सिंह नेगी, कृपाल सिंह रावत, कपिल नेगी, पूर्वांचल संगठन सीपी पांडे , आनंद ठाकुर, संतोष, कुलदीप ममगई, मोहित नागर, सुनील यादव, सूरज प्रधान, सुमित शर्मा, आकाश, रवि पांडे, आकाश नागर सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

मोदी ने धारा 370 को ख़त्म कर दी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलिः राजकुमार वोहरा

बलिदान दिवस के रूप में बूथ स्तर पर मनाई गई, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

Faridabad/Alive News

जहां हुए बलिदान मुखर्जी...वो कश्मीर हमारा है, वो कश्मीर हमारा है...वो सारा का सारा है, जिस जम्मू कश्मीर के सम्पूर्ण विलय के लिए डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने अपने प्राणों की आहुति दी, लगभग 65 साल बाद अगस्त 2019 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने धारा 370 को सदा के लिये समाप्त कर डॉक्टर श्यामा प्रसाद जी के जम्मू कश्मीर के सम्पूर्ण विलय के सपने को साकार किया। जो आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है । भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा । भारतीय जनता पार्टी ज़िला कार्यालय अटल कमल पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा के नेतृत्व में भाजपा जिला पार्टी फ़रीदाबाद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकश रेक्सवाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल नागर, सुखबीर मलेरना, डॉक्टर आर एन सिंह, जिला सचिव मुकेश अग्रवाल, राजेश डागर, जिला सह प्रभारी राज मदान, आभास अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष कविन्द्र चौधरी, प्रवीण चौधरी अनिल प्रताप सिंह आदि भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में सभी मंडलों में बूथ स्तर पर मनाया और श्रधेय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजकुमार वोहरा ने कहा कि हम सभी को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए जिस प्रकार उन्होंने अपना जीवन देश और समाज के लिए अर्पित कर दिया, उसी प्रकार हमें भी देश हित और समाज हित में लगातार कार्य करना चाहिए।

बडखल क्षेत्र में नहीं रहने दूंगी विकास कार्यों की कमी : सीमा त्रिखा

शिक्षा मंत्री ने लोगों के हाथों से नारियल तुडवा कर करवाया आरएमसी रोड के कार्य का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

हरियाणा की शिक्षा मन्त्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि बडखल विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दूंगी। शिक्षा मंत्री ने आज रविवार को बडखल विधान सभा क्षेत्र में लगभग डेढ करोड़ रुपये की धनराशि के विकास कार्यों की सौगात देते हुए उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने स्थानीय गणमान्य लोगों के हाथों से नारियल तुडवा कर आरएमसी रोड के कार्य का शुभारंभ करवाया। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने आरएमसी सडक़ के निर्माण कार्य का शुभारम्भ क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिको एवं कार्यकर्ताओं से करवाते हुए कहा कि बडखल झील के नवीनीकरण के विकास कार्यों को तेज गति करवाया जा रहा है। वहीं बडखल विधान सभा क्षेत्र में लोगों को बिजली, पेयजल सप्लाई से जुड़ी लाइनों और सिवरेज व्यवस्था तथा पार्कों के सौन्दर्य करण सहित तमाम मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। सीमा त्रिखा ने लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से मण्डल रोज गार्डन सत्संग मण्डल से गोल्फ क्लब से माल आफ फरीदाबाद तक की आरएमसी सडक़ के निर्माण कार्य का शुभारम्भ बडखल विधानसभा के वरिष्ठ नागरिको एवं स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में कराया। उन्होंने कहा कि लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इन आरएमसीसडक़ के निर्माण कार्य लगभग 2 महीनो में पूरा होगा। जिसमे इस सडक़ से आवागमन करने वाले स्थानीय निवासियों को बहुत राहत मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में बडखल विधानसभा में विकास कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदीण खत्री, अनिल कपूर, सुनील भाटिया, बिशम्बर भाटिया संजय महेन्द्र,प्रवीण खत्री ,संजय महेंद्रू , विजय कंठा, खुशबू सिंह, राजकुमार वर्मा, सरिता हसीजा पूजा विरमानी आर0के0 अरोड़ा, प्रेम आहूजा, गौरव, सत्संग मण्डल रोज गार्डन से डी0सी0 लाल, जी0पी0 गांधी, गोपी चन्द रतड़ा भवानी दास मलिक, सुभाष अरोड़ा, हरबन्स लाल बांगा, राजकुमार दर्मा कमलेश भाटिया रविन्द्र भाटिया(बन्दू) आदि उपस्थित रहे।

सऊदी अरब से आया पुलिस को पत्र, परिवार पर बेटी की हत्या का लगाया आरोप

Faridabad/Alive News

सऊदी अरब से आए एक पत्र के बाद फरीदाबाद पुलिस में हड़कंप मच गया। यह पत्र फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर के नाम आया था। जिस पत्र में फरीदाबाद जिले के धौज गांव के कलर मोहल्ला के रहने वाले ताहिर ने अपनी पत्नी, साले और उसकी पत्नी पर अपनी ही बेटी की हत्या का शक जताते हुए उचित जांच और न्याय की मांग की थी। ताहिर सऊदी अरब में पिछले लगभग 13 वर्षों से ट्रक ड्राइवर का काम करता है। उसने पुलिस कमिश्नर को भेजे पत्र में लिखा था कि उसकी पत्नी से बेटी से बात करने के लिए कहता है तो पत्नी बेटी से बात नहीं कराती है। जिसके चलते उसे किसी अनहोनी की आशंका है। कृपया इस मामले की उचित जांच की जाए। सऊदी अरब से पत्र आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने थाना धौज को यह पत्र भेजकर इस मामले में गहनता से जांच करने के निर्देश दिए थे। पुलिस कमिश्नर द्वारा मिले इस पत्र के बाद थाना धौज की पुलिस भी हरकत में आई और गांव धौज में ताहिर की पत्नी हनीफा बेगम उसके बेटे निज्जा, हनीफा के भाई जफरु और उसकी पत्नी रुखसाना को पुलिस ने पूछताछ के लिए धौज़ थाने में बुलाया और उनसे गहनता से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि मृतका फरवीना 10 महीने पहले गांव के ही रहने वाले नासिर के साथ भाग गई थी। कुछ दिनों बाद वह जब गांव में आई तो थाना धौज में बैठकर दोनों पक्षों में फैसला हुआ था। इस फैसले के बाद फरवीना उनके ही साथ रहने लगी। लेकिन एक दिन फरवीना ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। समाज की लाज लज्जा के डर से फरवीना के शव उन्होंने मिलकर घर में ही गड्ढा खोदकर दफन कर दिया था। पुलिस ने रविवार को बताई गई जगह पर खुदाई कराकर मृतका के कंकाल को बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने घर दफनाए गए शव के कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट और जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि लडक़ी की मौत कैसे हुई थी।

जनसेना पार्टी के अध्यक्ष अरविंद पारचा ने ली कार्यकर्ताओं की मीटिंग

Faridabad/Alive News

हरियाणा जनसेना पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरविंद सिंह पारचा जी ने विधानसभा चुनाव को लेकर सभी जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करनी शुरू की कर दी है जिसकी शुरुआत फरीदाबाद जिला अध्यक्ष हमबीर भड़ाना जी के निवास स्थान पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक से शुरू हुई। हमबीर भड़ाना ने फरीदाबाद की विधानसभाओं को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी, एवम बातचीत के दौरान हमबीर भड़ाना ने बताया कि पार्टी का कुनवा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है व आज भी कुछ कार्यकर्ताओं को पदभार दिए गए हैं जिसमें विकास कुमार जी को फरीदाबाद जिले से युवा मोर्चा का जिला सचिव नियुक्त किया गया है, सूरज कुमार को बडखुल विधानसभा से युवा मोर्चा का सचिव नियुक्त किया गया, व अफान रिजवी को एन आई टी विधानसभा से युवा मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, अरविंद सिंह पारचा ने बताया की पार्टी हरियाणा की सभी विधानसभाओं पर चुनाव लड़ेगी और पार्टी समाज सेवकों व साफ छवि के युवाओं को ज्यादा मौका देगी जिसके मन में सचमुच समाज सेवा करने की भावना हो क्योंकि राजनीति जनसेवा का अच्छा माध्यम है।

आरपीसीए सुपर किंग ने आरपीसीए किंग को सात विकेट से हराया, पुनीत सैन चमके

Faridabad/Alive News

प्रथम आरपीसीए समर कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 लीग मैच रविंदर फागना क्रिकेट भूमि ग्राउंड फरीदाबाद पर खेला गया यह मैच आरपीसीए सुपर किंग और आरपीसीए किंग के बीच खेला गया। इस मैच में आरपीसीए सुपर किंग ने आरपीसीए किंग को 7 विकेट से हराया, यह मैच 40 ओवर का था और आरपीसीए किंग ने पहले टॉस जीतकर बैटिंग करने का निर्णय लिया। आरपीसीए किंग ने पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 165 रन का लक्ष्य दिया। आरपीसीए किंग की ओर से बल्लेबाजी करते हुए त्रिलोक भारद्वाज ने 77 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन सक्षम ने 61 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 36 रन धुव्र ने 28 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 33 रन बनाए। आरपीसीए सुपर किंग्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए रित्विक सैनी, वंशज भाटिया और अवनीश चौधरी ने 1/1 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए आरपीसीए सुपर किंग ने 25.2 ओवर में 3

चुनाव उपरांत आवेदन करने पर ईवीएम की जांच करवाना एक सामान्य प्रक्रियाः डीसी

प्रत्याशी के आवेदन पर ईवीएम जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कार्रवाई अमल में लाई गई

Faridabad/Alive News

चुनाव आयोग के ईवीएम की जांच के निर्देश को लेकर प्रचारित भ्रामक खबरों पर पूर्ण रूप से विराम लगाते हुए उपायुक्त विक्रम सिंह ने स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की बात नहीं है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है जिसे अपनाया जा रहा है। अत- गड़बड़ी वाली खबरों व अफवाहों पर ध्यान देने की कोई आवश्यकता नहीं है। रविवार को जारी बयान में उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार चुनाव आयोग ने 1 जून को निर्देश जारी किये, जिसके अंतर्गत चुनाव उपरांत आवेदन किये जाने पर ईवीएम की पुर्नजांच की व्यवस्था दी है। चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल से संबंध रखने वाला दूसरे व तीसरे स्थान पर आने वाला प्रत्याशी ईवीएम की दोबारा जांच के लिए आवेदन कर सकता है। फरीदाबाद के भी एक लोकसभा प्रत्याशी ने ईवीएम की पुर्नजांच के लिए आवेदन किया है, जिसके अंतर्गत ईवीएम की पुर्नजांच की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसके लिए भेल के इंजीनियर आयेंगे और ईवीएम की जांच करवायेंगे। भारत में आठ लोकसभा क्षेत्रों में ईवीएम की पुर्नजांच करवाई जाएगी, जिनमें हरियाणा राज्य के फरीदाबाद तथा करनाल लोकसभा क्षेत्र भी शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि यह प्रक्रिया पूर्ण रूप से सामान्य है। इसका किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से कोई संबंध नहीं है। इसलिए ईवीएम में गड़बड़ी रूपी भ्रामक खबरों से दूर रहना चाहिए। साथ ही इस प्रकार की भ्रामक खबरों का प्रचार-प्रसार भी नहीं करना चाहिए। उन्होंने ईवीएम में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने की खबरों का पूर्णतया खंडन करते हुए कहा कि यह रूटिन प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय की हिदायतों के अनुसार ही पूरी की जाएगी।

पुलिस आयुक्त राकेश आर्य ने किया हरियाणा कैरम संघ द्वारा आयोजित कैरम प्रतियोगिता का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

हरियाणा कैरम संघ द्वारा तीन दिवसीय कैरम प्रतियोगिता ऐश्लान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य द्वारा किया गया एवं अध्यक्षता हरियाणा कैरम संघ के अध्यक्ष आईएएस पंकज यादव ने की तथा अर्जुन अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी पूनम चोपड़ा ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राज्य कैरम संघ के महासचिव एसके शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य के 14 जिलों से आए 200 से अधिक खिलाड़ियों ने 10 विभिन्न श्रेणियों में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में पुरुष केटेगरी में जिला फरीदाबाद की टीम ने अम्बाला की टीम को 3-0 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जिला झज्जर की टीम ने कैथल की टीम को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग की प्रतियोगिता में भी फरीदाबाद की टीम ने अम्बाला को 3-0 से हराकर चैम्पियन का खिताब हासिल किया। तीसरे स्थान के लिए सिरसा ने हिसार को 2-1 से हराया। कैडेट बॉयज वर्ग में सिरसा के जतिन ठाकुर, ध्रुव सिसोदिया, गुरुग्राम के असद नूर व फरीदाबाद के अनिरुद्ध ने सेमिफाइनल में जगह बनाई। कैडेट गर्ल्स वर्ग में फरीदाबाद की पावनी सिसोदिया, सोम्या, गुरुग्राम की मान्या एवं महक ने सेमिफाइनल में जगह

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है?

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज

एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरूआत हुई है ह्व आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है ह्व

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में ह्यधार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषणह्व नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

संपादकीय

बढ़ती गर्मी, घटता पानी

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं। पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है। सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

भारत के भारी उद्योगों एमिशन को 2030 तक 17 प्रतिशत कम कर सकते हैं रिन्यूबल एनर्जी स्रोत

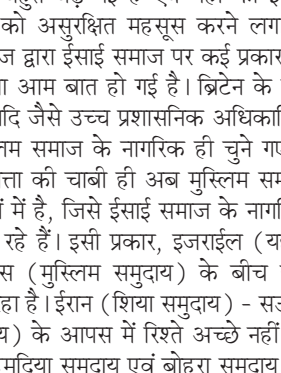

तिलक राज शर्मा

ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के भारी उद्योगों के अनुमानित कार्बन एमिशन का 17 प्रतिशत रिन्यूबल एनर्जी-आधारित विद्युतीकरण से 2030 तक टाला जा सकता है। यह रिपोर्ट यूरोपीय संघ के साथ कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) के अनुपालन के लिए भारत की रणनीतियों को रेखांकित करती है। सीबीएएम एक नियामक ढांचा है जो यूरोपीय संघ में आयात पर कार्बन शुल्क लगाता है।

भारत के भारी उद्योगों को 2030 तक अपनी बिजली की खपत को पूरी तरह से डीकार्बोनाइज करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए 120 गीगावॉट की समर्पित रिन्यूबल एनर्जी क्षमता की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में स्टील, सीमेंट, पेट्रोकेमिकल्स, एल्यूमीनियम और अमोनिया क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इन एमिशन-गहन ÷भारी÷ उद्योगों का डीकार्बोनाइजेशन न केवल भारत के औद्योगिक क्षेत्र के लिए बल्कि रिन्यूबल एनर्जी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी महत्वपूर्ण लाभ ला सकता है।

वर्तमान में, इन भारी उद्योगों में ऊर्जा की खपत का 11 प्रतिशत बिजली से आता है जबकि बाकी जीवाश्म ईंधन-आधारित थर्मल ऊर्जा से आता है। उद्योग विकास अनुमानों के अनुसार, भारी उद्योगों के लिए बिजली की मांग में 45 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इस बढ़ी हुई मांग को रिन्यूबल एनर्जी से पूरा करना 180 मिलियन टन (एमटी) सीओ2 के एमिशन को रोक सकता है, जो नीदरलैंड के कुल वार्षिक एमिशन के बराबर है।

स्वतंत्र सलाहकार और रिपोर्ट के प्रमुख लेखक दत्तात्रेय दास ने कहा, ÷उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन के सबसे आशाजनक साधनों में से एक होने के अलावा, रिन्यूबल-आधारित विद्युतीकरण कई सह-लाभ भी प्रदान करता है। यह उद्योगों को कम लागत वाली रिन्यूबल एनर्जी से लाभान्वित करने, ग्रिड की लचीलापन में सुधार करने और सबसे महत्वपूर्ण, औद्योगिक सुविधाओं के भीतर वायु गुणवत्ता में सुधार करने की अनुमति देता है।÷

लंबी अवधि में उद्योगों के गहन डीकार्बोनाइजेशन के लिए, रिपोर्ट में पाया गया है कि थर्मल प्रक्रियाओं को विद्युतीकृत करने के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकियों का व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनना महत्वपूर्ण है। यदि ये नई प्रौद्योगिकियां और सरकार का ग्रीन हाइड्रोजन मिशन सफल होते हैं, तो 2050 तक औद्योगिक ऊर्जा मिश्रण में बिजली का हिस्सा तीन गुना हो सकता है, जिससे लगभग 700 गीगावॉट तक पहुंच जाएगा और 737 एमटी के एमिशन को रोका जा सकेगा।

ग्रीन विद्युतीकरण उद्योगों को बढ़ते राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एमिशन नियमों का पालन करने का मार्ग प्रदान करता है। रिन्यूबल एनर्जी से प्राप्त बिजली की घटती लागत आर्थिक लाभ प्रस्तुत करती है, विशेष रूप से भारत में जहां उच्च शुल्क क्रॉस सब्सिडी से उत्पन्न होते हैं। उद्योग प्राथमिक ऊर्जा बचत और अस्थिर ईंधन की कीमतों से सुरक्षा का लाभ उठा सकते हैं।

इसके अलावा, औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन में रिन्यूबल एनर्जी की बढ़ती मांग बड़े पैमाने पर रिन्यूबल एनर्जी परियोजनाओं में निवेश को आकर्षित कर सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है और भारत के रिन्यूबल एनर्जी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर सकती है।

एम्बर के एशिया प्रोग्राम निदेशक, आदित्य लोल्ला ने कहा, ÷सीबीएएम÷ जैसे एमिशन-संबंधित व्यापार नियमों के जल्द ही प्रभावी होने की उम्मीद के साथ, निकट अवधि में एमिशन में कमी की क्षमता को समझना भारतीय भारी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है। रिन्यूबल एनर्जी आधारित विद्युतीकरण भारत के व्यापक ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी कई सह-लाभ प्रदान करता है। यह बहु-मिलियन डॉलर के निजी निवेश के अवसर खोल सकता है, भारत के स्वच्छ ऊर्जा निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित कर सकता है और भारत को स्वच्छ ऊर्जा में वैश्विक नेता बनने की दिशा में आगे बढ़ा सकता है।

(लेखक अलाईव न्यूज के संपादक है)

सावधान! बच्चों की पहुंच तक आ चुका नशे का जहर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के आधुनिक युग में हम कहने को उन्नत हो रहे है, लेकिन संस्कार, जिम्मेदारी, आदर भाव, अपनापन, प्रेम, करुणा, दया भाव, नैतिकता जैसे शब्दों का कोई मोल नज़र नहीं आता। समाज में लगातार अराजकता फ़ैल रही है जिससे, सामाजिक समस्याएँ और अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके प्रमुख कारणों में से एक नशाखोरी है। एक समय था जब हम हशीश, गांजा, कोकीन जैसे खतरनाक नशीले जहर के बारे में केवल सुनते थे और फिल्मों में देखते थे, लेकिन अब ये नशा हमारे अपने लोगों तक भी पहुंच गया है और स्कूल-कॉलेज जाने वाले किशोर इस नशे के आदी होकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हर दिन मादक पदार्थों की तस्करी की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, युवावर्ग तेजी से नशे के प्रति आकर्षित हो रहा है। हुक्का बार, पब, पार्टी का चलन खूब बढ़ रहा है। इस समस्या में सबसे बड़ी ग़लती अभिभावको की नजर आती है, जो आज की युवापीढ़ी को योग्य संस्कार और बेहतर परवरिश देने में नाकाम हो रही है। अक्सर सड़क किनारे, फुटपाथ पर, निर्जन स्थलों पर, खंडहरनुमा मकानों या गलिच्छ बस्तियों में बच्चें से लेकर बड़े तक नशा करते हुए दिखते है। छोटे-छोटे बच्चे भी घातक रसायन, पेट्रोल, सैनिटाइजर, व्हाइटनर, खांसी की दवा, दर्द निवारक, गोंद, पेंट, गैसोलीन सुंघकर नशा करते है, बहुत बार, अभिभावक बच्चों की ऐसी हरकतों को देखकर भी नजरअंदाज कर देते है, जो कि घातक है। देश में 10-17 वर्ष की आयु के लगभग 15.8 मिलियन बच्चे मादक पदार्थों के आदी हैं। वैश्विक मादक पदार्थों की तस्करी का कारोबार 650 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। हर साल शराब ही दुनिया भर में 2.3 मिलियन मौतों के लिए जिम्मेदार है।

बचपन से महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, आधुनिकता की जगमगाहट, झूठा दिखावा और फिल्मों, सोशल मीडिया का बच्चों के दिमाग पर बुरे असर ने नशे के प्रति किशोरों के आकर्षण को तीव्र कर जीवन में जहर घोल दिया है। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर में एक करोड़पति बिल्डर के नाबालिग नशेड़ी लड़के ने अपनी पोर्श कार से दो अभियांत्रिकी युवाओं को कुचल दिया था, फिर भी बड़े रसूखवाले इस बिल्डर पिता ने अपने अपराधी लड़के को बचाने के लिए भरसक प्रयास किये, चार महीने पहले महाराष्ट्र के नागपुर में बड़े उद्योगपति संभ्रांत परिवार की बहू ने नशे की हालत में अपनी कार से आधी रात में दो युवा इंजीनियरों को मौत के घाट उतार दिया, अब फिर नागपुर में रात में इंजीनियरिंग के छात्र ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचल दिया। आजकल के अभिभावक ही अपने जिम्मेदारियों को समझ नही रहे है, रोज नशे से संबंधित अपराधों की ख़बरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, कोई युवा नशे के लिए अपने अभिभावकों को मौत के घाट उतार देते है, तो कोई बच्चे नशे की हालत में क्राइम कर रहे है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे संसाधन या भौतिक सुविधा देना, अति लाड प्यार कर बच्चों की हर जिद पूरी करना ही अभिभावकों ने अपनी जिम्मेदारी समझी है, अपितु बच्चों को समय देना, उनके कार्यकलापों में सहभागी होना, बच्चों का दोस्त बनकर जीना अहम जिम्मेदारी है।

हर साल 26 जून को नशे के प्रति जागरुकता और मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम के लिए ÷नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस÷ विश्वभर में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम ÷सबूत स्पष्ट हैं- रोकथाम में निवेश करें÷ यह है। आज विश्व में सबसे बड़ा युवाओं का देश भारत है, युवाओं को संभालकर योग्य दिशा में अग्रसर करना ही देश का विकास है। मीडिया के माध्यम से हमेशा यह पता चलता है कि नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किशोरों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे गलत काम करने के लिए पैसे का लालच दिया जा रहा है, ताकि स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे भी नशीली दवाओं के जहर के संपर्क में आसानी से आ जाएं। जिन होनहार युवाओं के भरोसे देश का उज्वल भविष्य टिका है वो नशे में अपना वर्तमान और सुनहरा भविष्य अंधकारमय बना रहे है और आनेवाली पीढ़ी के रूप में देश को खोखला, बीमार, कमजोर, अविकसित, समस्याग्रस्त, आपराधिक प्रवृत्ति का युवा सौंप रहे हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार, 2017 में दुनिया भर में अवैध दवाओं से लगभग 7.5 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान है। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इनहेलर के नशे में करीब 18 लाख वयस्क और 4.6 लाख बच्चे बुरी लत की श्रेणी में आते हैं। पंजाब में कुल कैदियों में से कम से कम 30 प्रतिशत अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में जेल में सजा काट रहे हैं। सरकारी रिपोर्ट बताती है कि, 2018 में भारत में 2.3 करोड़ ओपिओइड नशेड़ी थे, जो 14 वर्षों में पांच गुना वृद्धि है। एक एनजीओ सर्वेक्षण बताता है कि भारत में उपचार की आवश्यकता वाले 63.6 प्रतिशत मरीज 15 वर्ष से कम उम्र के हैं। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय रिपोर्ट अनुसार, भारत में नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल लगभग 13 प्रतिशत लोग 20 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारत देश में हर साल 20 मिलियन बच्चे और हर दिन लगभग 55,000 बच्चे तंबाकू के आदी होते है और अमेरिका में हर दिन धूम्रपान करने वाले 3000 नए बच्चों के मुकाबले यह संख्या भयावह है। घरेलू अल्कोहल पेय उद्योग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड 2023 की वार्षिक रिपोर्ट अनुसार, दुनिया के 39त्न अफीम उपयोगकर्ता दक्षिण एशिया में रहते हैं। वैश्विक स्तर पर हेरोइन बाजार 430-450 टन के वार्षिक प्रवाह को दर्शाते हैं। भारतीय सेना द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जम्मू कश्मीर में लगभग 40त्न युवा किसी न किसी रूप में नशे की लत से पीड़ित हैं, जो 2008 में 5त्न से कम था। भारत में पिछले एक दशक में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और शराब की लत के कारण आत्महत्या करने वालों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2023 अनुसार, वैश्विक स्तर पर, 2021 में 296 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीली दवाओं का उपयोग किया, जो पिछले दशक की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि है। इस बीच, नशीली दवाओं के उपयोग संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 39.5 मिलियन हो गई है, जो 10 वर्षों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है। अफ्रीका में, उपचाराधीन 70 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं।

विश्व स्तर के साथ भारत देश में नशे का कारोबार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, नशा इंसान को जिन्दा लाश बना कर रख देता है और बुराइयों, अपराध, नकारात्मक विचारों को बढ़ावा देता है। नशे के कारण आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक और मुख्य रूप से शारीरिक, मानसिक क्षति होती है। आज के अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है, अपने बच्चे अपनी जिम्मेदारी है, अभिभावकों का व्यस्तता का बहाना बच्चों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। बच्चों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, बच्चों को समय देना सीखें, बच्चों के सामने बड़ो का व्यवहार आदर्शात्मक होना चाहिए, बच्चे अपनी दिनचर्या कैसे बिताते है, किससे मिलते हैं, उनकी मित्रमंडली कैसी है, बच्चे बाहर खर्चा कहां करते है, यह सब अभिभावकों को पता होना चाहिए। आधुनिकता विचारों में होनी चाहिए, दिखावे में नहीं, इसलिए बच्चों को दुनियादारी, व्यवहार ज्ञान, अच्छे-बुरे की समझ अभिभावकों द्वारा मिलनी ही चाहिए। आज के समय में संस्कार, सत्य, नीतिमत्ता तेजी से विलुप्त हो रहे है, जो बच्चों के साथ अभिभावकों के लिए भी ये बेहद आवश्यक है। नशा छोड़े, जागरूक रहें, बच्चों को देश का उज्वल भविष्य बनने के लिए उन्हें बेहतर और पोषक वातावरण दें। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर संगठन, सरकार, स्वयंसेवी संस्थान नशामुक्ति और मादक पदार्थों के तस्करी के विरुद्ध कार्य करते है। भारत सरकार के ÷नशा मुक्त भारत अभियान÷ के तहत राष्ट्रीय टोल फ्री नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 पर संपर्क कर सकते है।

(ये लेखक के निजी विचार है और आंकडे हैं)

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

यमुना रक्षक दल वृक्षारोपण तथा मानवीय मूल्यों के प्रति कृतसंकल्पित: डॉ.आर एन सिंह

वन महोत्सव के अवसर पर यमुना रक्षक दल ने किया वृक्षारोपण

Faridabad/Alive News

यमुना रक्षक दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आर एन सिंह ने दल के राष्ट्रीय सचिव पं. रमाकांत तिवारी, खेल प्रकोष्ठ के प्रभारी कराटे मास्टर गंगेश तिवारी तथा मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित सीता शरण तिवारी के साथ मिलकर सेक्टर 22 स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के प्रांगण में वृक्षारोपण किए। डॉ.आर एन सिंह ने प्राचीन हनुमान मंदिर के अध्यक्ष कराटे मास्टर गंगेश तिवारी की पर्यावरण प्रेम के लिए प्रसंशा करते हुए कहा कि मंदिर परिसर में अद्भुत हरियाली तथा प्राकृतिक सौंदर्य के लिए आप धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि यमुना रक्षक दल वृक्षारोपण तथा वृक्ष संरक्षण के साथ ही विभिन्न पर्यावरणीय तथा मानवीय मूल्यों के प्रति कृतसंकल्पित है।

बरसात के मौसम के मद्देनजर अलर्ट मोड पर रहें सभी अधिकारी : विक्रम सिंह

उपायुक्त बोले, लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ तुरंत होगी कड़ी कार्यवाही

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहाकि जिला फरीदाबाद में बरसात के दौरान कहीं भी पानी नहीं भरना चाहिए। पानी निकासी तथा बाढ़ सुरक्षा के सभी उपाय सही तरीके से पूरा करें। किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी की कोई लापरवाही मिलती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त विक्रम सिंह आज लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में बाढ़ की तैयारी, आपदा प्रबंधन और जलभराव के संबंध में समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उपायुक्त विक्रम सिंह ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जलभराव के चिह्नित स्थानों पर व्यक्तिगत रूप से दौरा कर जल निकासी के लिए जितने

भी प्रबंध किए है, उन्हें समय रहते पूरा कर लें। बरसात के सीजन में सभी ड्रेनों की सफाई करवाना सुनिश्चित करें। ताकि बरसाती पानी के खड़े होने की समस्या से आमजन को पूरी तरह से निजात मिल सके।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में सभी पम्पसेट/ डिस्पोजल दुरुस्त होने चाहिए। यदि किसी पम्प सेट/ डिस्पोजल में मरम्मत की आवश्यकता है, तो यथाशीघ्र ठीक करवा लें। बरसात का पानी सडक़ो पर जमा न हो इसके लिए सभी तैयारियां बहुत जरूरी है। इस विषय को लेकर कोताही नजर नहीं आनी चाहिए। सभी अधिकारियों को पूर्ण रूप से सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपस में तालमेल बनाकर रखें। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर में सभी नालों की सफाई के कार्य को दुरूस्त रखें। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात का पानी अगर अंडर पास में भरता है तो पानी निकासी के कार्य को पूरी तत्परता से निपटाएं ताकि आवागमन में आमजन को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। उन्होंने सभी सम्बन्धित एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने- अपने क्षेत्र में सम्भावित बाढ़ क्षेत्रों का दौरा भी करें और वहां पर किसी चीज की आवश्यकता है तो समय रहते पूरा करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पम्प हाउसों तक जाने वाले बिजली के पोलों को चैक भी करें। ताकि कोई परेशानी न आने पाए। उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने जैनरेटर सैट की व्यवस्था बिजली बैकअप जरूर रखें। समीक्षा बैठक में एडीसी डॉ आनंद शर्मा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसीपी ट्रैफिक उषा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त गौरव अंतिल, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद शिखा अंतिल, एसडीएम बडख़ल अमित मान, एचएसवीपी के एस्टेट आफिसर्स सिद्धार्थ दहिया सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

भाजपा सरकार में क्राइम चरम सीमा पर जनता परेशान : शारदा राठौर

16 दिन से लापता बच्चे की बरामदगी न होने पर लोगों ने लगाया जाम

Faridabad/Alive News

सेक्टर-3 से लापता बच्चे का 16 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस द्वारा कोई सुराग न लगाए जाने से नाराज लोगों ने मंगलवार को बल्लभगढ़ में सडक़ पर जाम लगा दिया। इस दौरान पूर्व विधायक शारदा राठौर मौके पर पहुंची और लोगों को बातचीत कर घटना की जानकारी ली। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते कहा कि अगर बच्चा जल्द नहीं मिला तो जनता का आक्रोश एक बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है। इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। दरअसल सेक्टर-3 निवासी संजय पाल नामक लडक़ा पिछले 16 दिनों से गायब है, लेकिन उसका अभी तक कुछ पता नहीं चला है। पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट सेक्टर वासियों ने समुदाय भवन के सामने वाले रोड पर एकत्र होकर जाम लगा दिया इस दौरान मौके पर पहुंची पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। बच्चों व महिलाओं का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। अपराधियों को नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है। पिछले एक सप्ताह के अंदर हत्या लूटपाट अपहरण मारपीट के 8 से 10 घटना हो चुकी है। पुलिस अपराधियों को नेता और मंत्रियों का संरक्षण मिलने के कारण उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसे में गरीब लोग जाए तो कहां जाए। पूर्व विधायक ने लापता हुए संजय पाल के परिजनों और सेक्टर वासियों को आश्वासन दिया कि अगर पुलिस बच्चे का जल्द से जल्द पता नहीं लगा पाती है तो वह उच्चाधिकारियों से मिलकर इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाने का काम करेंगे। इस मौके पर रतनलाल राणा सुभाष लांबा लापता बच्चों के माता-पिता के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सेक्टरवासी मौजूद थे।

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 4 से 25 लाख रुपये : कुलपति

Hisar/Alive News

अगर आपके पास कोई कृषि व कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रूपये तक की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 10 सितम्बर, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

आइडिया को मिल सकती है 4 से 25 लाख तक की ग्रांट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से तीन प्रोग्रामों का विवरण इस प्रकार हैं- छात्र कल्याण प्रोग्राम- यह प्रोग्राम छात्रों के लिए पहली बार प्रारंभ किया गया है जो छात्रों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। इस प्रोग्राम के तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते हैं चयनित छात्र को एक महीने का प्रशिक्षण व 4 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित छात्र को एकमुश्त दी जाएगी।

पहल- इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 5 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को एकमुश्त दी जाएगी।

सफल- इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी। उन्होंने बताया पिछले 5 सालों में 65 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य-आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल एचएयू की वेबसाइट द्धह्वह्व.ड्डष्.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी द्वारा एक महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। एक महीने के प्रशिक्षण के बाद भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान राशि स्वीकृत की जाएगी।

प्रशिक्षित युवा स्वरोजगार के साथ-साथ दूसरे लोगों को भी रोजगार दे पाएंगे कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित परीक्षाओं के लिए पुख्ता प्रबंध करें अधिकारी : विक्रम सिंह

जिस अधिकारी/कर्मचारी को जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी निष्ठा के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित परीक्षाओं के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। जिस अधिकारी और कर्मचारी को जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी निष्ठा के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त विक्रम सिंह और संघ लोक सेवा आयोग से ऑब्जर्वर श्रीमती गायत्री ने आज लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित परीक्षाओं को लेकर सम्बंधित अधिकारियों की बैठक ली। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 07 जुलाई 2024 को संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा जिला में ईपीएफओ के लिए 03 परीक्षा केन्द्रों पर समय सुबह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक और नर्सिंग आफिसर के लिए 04 परीक्षा केन्द्रों पर समय दोपहर 02:00 बजे से 04:00 बजे तक परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षाओं के लिए 07 जुलाई 2024 को प्रत्येक ट्रांजिट ऑफिसर के साथ 1-1 सशस्त्र पुलिसकर्मी नियुक्त करें। 07 जुलाई 2024 को सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराया जाए। आगामी 07 जुलाई 2024 को सभी परीक्षा केंद्रों पर 3 पुरुष एवं 2 महिला पुलिसकर्मी उक्त परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों की संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आवश्यक जांच के लिए नियुक्त करे। डॉ एमपी सिंह ने बताया कि ट्रेजरी से आवश्यक सामग्री सुबह 07 बजे लेनी है और सम्बंधित परीक्षा केन्द्रो पर समय रहते पहुचानी है। परीक्षा संपन्न होने के बाद डाकखाने में जमा करनी है। परीक्षा केंद्र का दरवाजा परीक्षा से दो घंटे पहले खुल जाना चाहिए तथा परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले मुख्य दरवाजा बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने परीक्षा के लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर्स को बताया कि एक दिन पहले परीक्षा केन्द्रो पर सीटिंग प्लान मुख्य स्थानों पर लग जाने चाहिए। बिजली, पानी, शौचालय, उचित फर्नीचर की सही जांच पड़ताल कर लेनी चाहिए। उन्होंने इंविजिलेटर्स के लिए विशेष ध्यान देने योग्य बाते बताई, जैसे ओएमआर शीट को खोलना, उनका सही तरीके से बांटना तथा एकत्रित करने बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बल्लभगढ़ तिगांव रोड शनिदेव मंदिर के पास स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ओल्ड फरीदाबाद, पुलिस थाने के पास स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ऊंचा गांव, बल्लभगढ़, गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर 55, पुलिस चौकी के पास स्थित गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल। समीक्षा बैठक में एसडीएम शिखा अंतिल, डीएसओ देवेंद्र सिंह, ड्युटी मेजिस्ट्रेट लेखराज, डॉ वीरेंद्र सहरावत, ट्रेजरी ऑफिसर संजय सिंह, संदीप कुमार, संसार चंद, जय प्रकाश, सतेंद्र शर्मा, विवेकानंद, अमृता श्री, हेमंत सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

दहेज हत्या के मामले में पुलिस द्वारा चिकित्सा बोर्ड से कराया गया पोस्टमार्टम

Faridabad/Alive News

जिला फरीदाबाद के थाना खेडीपुल में नए कानून के अंतर्गत दहेज हत्या के संबंध में दर्ज पहली प्रथम सूचना रिपोर्ट में पुलिस द्वारा मंगलवार को नए कानूनों के तहत चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड के माध्यम से मृतका जया शर्मा का सिविल अस्पताल फरीदाबाद में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस उपायुक्त सैन्ट्रल जसलीन कौर द्वारा बतलाया कि शिकायतकर्ता चंद्रभान वासी सेक्टर-2 पलवल द्वारा उसकी बेटी जया शर्मा की दहेज हत्या करने के बारे में शिकायत थाना खेडीपुल को प्रस्तुत की गई। जिसपर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तुरंत मौके का निरिक्षण करके मृतका के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल फरीदाबाद में रखवाया गया तथा शिकायतकर्ता की शिकायत पर तुरंत प्रभाव से संबंधित धाराओं में प्रथम सूचन रिपोर्ट पंजीकृत की गई और आज

मृतका जया शर्मा का चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड के माध्यम सिविल अस्पताल फरीदाबाद में पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होने मामले में जानकारी देते हुए बतलाया कि दहेज हत्या जैसे संगीन अपराध में चिकित्सा रिपोर्ट/राय, तकनीकी साक्ष्यों तथा गवाहों के आधार पर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाती है। फरीदाबाद पुलिस की पीडित परिवार के साथ पूरी सहानुभूति है। तकनीकी रुप से पारदर्शिता और निष्पक्षता रखते हुए अनुसंधान किया जाएगा तथा मामले में पारदर्शिता से गुनहेगारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उच्च अधिकारियो द्वारा मामले की मोनिट्रिंग की जा रही है।

गंगेश तिवारी बने जिला कराटे संघ के चीफ लीगल एडवाइजर

जिला खेल कराटे संघ फरीदाबाद का चुनाव संपन्न हुआ

Faridabad/Alive News

सेक्टर-24 होटल हाऊडी में जिला खेल कराटे संघ का चुनाव का आयोजन हुआ, जिसमें फरीदाबाद जिले से 50 कराटे मास्टरों ने हिस्सा लिया। वोटिंग हुई वोटिंग के आधार पर, पदाधिकारी नियुक्त हुए, और विजय हासिल किया पदाधिकारियों में कराटे मुख्य तकनीकी निर्देशक गंगेश तिवारी चीफ लीगल एडवाइजर, एडवोकेट सुरेंद्र खोड़ीवाल, एडवाइजर अवधेश कुमार, अध्यक्ष अमरीश सिंह,उपाध्यक्ष हरीश शर्मा, महासचिव सलमान अली, डायरेक्टर सचिन कुमार, सचिव नितेश कुमार, कोषाध्यक्ष सुधीर वर्मा, चिकित्सा विभाग डॉक्टर गीता गिरी , चुनाव की अध्यक्षता भाजपा नेता ब्राह्मण शिरोमणि श्री प्रणव शुक्ला, भाजपा नेता राष्ट्रीय पहलवान अंगद चौरसिया, एवं समाजसेवी सी के राय ने की, इस दौरान गंगेश तिवारी ने कहा कि हम संगठन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे , चुनाव सभा को संबोधित करते हुए प्रणव शुक्ला ने सभी पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रेम रावत फाउंडेशन (टीपीआरएफ) ने पीस एजुकेशन के व्यापक प्रसार के लिए स्वयं पोर्टल को सहयोगी बनाया

Karnal/Alive News

प्रेम रावत फाउंडेशन (टीपीआरएफ) ने पूरे भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए पीस एजुकेशन प्रोग्राम को व्यापक रूप से सुलभ बनाने के लिए स्वयं पोर्टल के साथ समझौता किया है। इस सहयोग की घोषणा से वह अत्यंत उत्साहित है। इस साझेदारी का उद्देश्य स्वयं पोर्टल की व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए छात्रों के बीच शांति और आत्म-खोज को बढ़ावा देना है, इसमें दूरदराज के क्षेत्रों वाले छात्रों को लाभ मिलेगा। टीपीआरएफ का पीस एजुकेशन प्रोग्राम वीडियो-आधारित कार्यशालाओं की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वयं की आंतरिक शक्ति और व्यक्तिगत शांति की खोज करने में मदद करना है। प्रत्येक कार्यशाला सम्मान, आंतरिक शक्ति, आत्म- जागरूकता, स्पष्टता, समझ, गरिमा, चयन, आशा और तृप्ति जैसे विषयों पर केंद्रित है। इस प्रोग्राम से अब तक 84 देशों में 450,000 से अधिक लोग लाभ उठा चुके

हैं। व्यक्तिगत उन्नति और शिक्षा पर पड़ने वाले इसके सकारात्मक प्रभावों के लिए इसकी सराहना की गई है।

पीस एजुकेशन प्रोग्राम को स्वयं पोर्टल प्लेटफ़ॉर्म में शामिल करके, टीपीआरएफ अब अपने मूल्यवान संसाधनों को बड़ी संख्या में श्रोताओं तक पहुँचा सकेगा। स्वयं पोर्टल की मजबूत बुनियादी संरचना यह सुनिश्चित करेगी कि सभी छात्र, चाहे वे शहर के हों या गाँव के, इस परिवर्तन लाने वाली अनमोल शिक्षा सामग्री से लाभ उठा सकें। इस पहल से टीपीआरएफ के उद्देश्य को बढ़ावा मिलेगा, यह एक अत्यंत शांतिपूर्ण और आत्म-जागरूक पीढ़ी को बनाने का लक्ष्य रखता है, इससे शिक्षा के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

स्वयं पोर्टल से लाखों छात्रों को मिलेगा लाभ-

स्वयं पोर्टल- भारत सरकार की एक पहल है। यह एक समग्र डिजिटल शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म है जो कक्षा 9 से लेकर पोस्ट-ग्रेजुएशन तक विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निःशुल्क शिक्षा देता है। स्वयं पोर्टल की व्यापक पहुँच का उपयोग करके पीस एजुकेशन प्रोग्राम से अब करोड़ों छात्रों को इसका लाभ मिल सकेगा, जिसमें विशेषकर वंचित और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र भी शामिल रहेंगे।

स्वयं प्लस पोर्टल से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा व एक संतुष्ट जीवन जीने की शक्ति मिलेगी- विलो बेकर

पीस एजुकेशन प्रोग्राम की प्रोग्राम निदेशक विलो बेकर ने कहा, शिक्षा सभी का मौलिक अधिकार है जिसे सभी को उपलब्ध होना चाहिए, चाहे वे किसी भी परिस्थिति में क्यों न हों। हमारा स्वयं प्लस पोर्टल के साथ साझेदारी एक महत्वपूर्ण कदम है जो सभी के लिए उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है। इससे लोगों को एक संतुष्ट जीवन जीने की शक्ति मिल सकेगी।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि और स्वयं प्लस पोर्टल के इंचार्ज प्रोफेसर सारथी के साथ-साथ प्रेम रावत फाउंडेशन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

गरीब के घर में हर रोज दिवाली मनवाने का लें संकल्प-महिपाल ढांडा

● सूरजकुंड में सीएक्सओ मीट में मंत्री ढांडा ने महिलाओं को सशक्त बनाने में मांगा उद्योगपतियों से सहयोग

Faridabad/Alive News

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा ने उद्योगपतियों तथा समाज के समर्थ लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अपनाकर गरीब के घर में हर रोज दिवाली मनवाने का संकल्प लें, जिसके लिए सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। गरीबी उन्मूलन के साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करें।महिपाल ढांडा शनिवार को सूरजकुंड में आयोजित स्वयं सहायता समूहों की सीएक्सओ मीट को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे, जिसका आयोजन दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में किया गया। सीएक्सओ मीट का शुभारंभ करते हुए श्री ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया, जिसे हासिल करने के लिए प्रदेश सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के लिए देश की आधी आबादी (महिलाओं) को सशक्त बनाना होगा, जिसमें उद्योगपतियों का विशेष सहयोग अपेक्षित है। इसके लिए करोड़ों बहनों को लखपति दीदी बनाना है, जिसके लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सफल प्रयास जारी है। प्रदेश में लगभग छह लाख बहनों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। अब सांझा बाजार स्थापित करके समूहों की बहनों को और अधिक अवसर प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी जिलों में पॉश इलाकों में समूहों की बहनों के लिए काउंटर दिलवाने की व्यवस्था की जाए। पंचायत मंत्री ने कहा कि कोपरेटिव विभाग भी उनके पास है, जिसके माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने अपने हैचरी उद्योग का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए विभिन्न उदाहरणों से समझाने का प्रयास किया कि देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। प्रतिभाशाली युवाओं को सही प्लेटफार्म व अवसर प्रदान करने की जरूरत है। एक लाख रुपये से कम आय वाले लाखों परिवार है जिनमें रहने वाले युवाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है। उनके हुनर को निखारने के लिए सरकार सहयोग देगी। विकास एवं पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाली स्वयं सहायता समूहों की बहनों की कला की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी बहन पुनः पुरानी परंपरा की ओर लौटने का संदेश दे रही हैं, ताकि हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे। यदि हम मिट्टी के बर्तनों में भोजन करेंगे तो 95 प्रतिशत बिमारियों को घर से दूर रख सकते हैं। खान-पान में बदलाव कर घर की रसोई को बदल कर हम समूहों की बहनों को आर्थिक मजबूती देंगे और स्वयं को स्वस्थ रखेंगे। इससे उनके जीवन स्तर में परिवर्तन होगा जो कि उद्योगपतियों के सहयोग से संभव होगा। समूहों को आर्थिक संपन्नता की ओर आगे बढ़ाने में मदद प्रदान करें। उन्होंने कहा कि देश मजबूत बनाने के लिए पहले घर-परिवार को सुदृढ़ करना होगा, जिसके लिए आर्थिक रूप से ताकतवर बनाना जरूरी है। इसके लिए सरकार प्रयासरत है। युवाओं व महिलाओं को कौशल विकास देने के लिए कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने तो कौशल विकास के लिए पलवल में विश्वविद्यालय की स्थापना की है। इस दौरान कौशल विकास भारत सरकार के निदेशक एसके तिवारी तथा हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सीईओ डा. अमरिंदर कौर ने अपने संबोधन में विस्तृत रूप में स्वयं सहायता समूहों तथा युवाओं के कौशल विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी। विकास एवं पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित स्टालों का किया अवलोकन कार्यक्रम के दौरान श्री ढांडा ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सात दिन बाद भी लापता छात्र को तलाशने में रही विफल पुलिस

▸▸ परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं

Faridabad/Alive News

पिछले रविवार को सेक्टर -3 से नीट की कोचिंग सेंटर जाते वक्त लापता हुए 18 वर्षीय छात्र संजय को तीन दिन में बरामद करने के पुलिस के दावे खोखले साबित हुए। एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद पुलिस लापता छात्र का सुराग नहीं लगा पाई है। इतना ही नहीं सेक्टर 8 एसएचओ द्वारा लापता छात्र के माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दोनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर लाइन हाजिर करने के आश्वासन पर भी अभी तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है। जिसको लेकर परिजनों एवं सेक्टर तीन के नागरिकों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस सिलसिले में शनिवार को सेक्टर तीन रेजिडेंट वेलफेयर फेडरेशन के अध्यक्ष सुभाष लांबा व सचिव रतनलाल राणा के नेतृत्व में परिजन एवं नागरिकों का एक शिष्टमंडल ने सेक्टर 8 के एसएचओ से थाने में मुलाकात की। सेक्टर तीन चौकी प्रभारी व मुकदमे का आईओ भी वहां मौजूद थे। नागरिकों ने एसएचओ द्वारा 18 जून को लापता छात्र को बरामद करने परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर करने के आश्वासन पर प्रगति बारे बातचीत की। एसएचओ ने बताया कि पुलिस की टीम हर एंगल को ध्यान में रखते हुए तलाश कर रही है। शिष्टमंडल ने जब उनसे पूछा कि दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों को अभी तक लाइन हाजिर क्यों नहीं किया गया ? इस पर उन्होंने कहा कि इस बारे डीसीपी को रिपोर्ट कर दिया गया है। नागरिकों का कहना है कि पुलिस के दावे एवं आश्वासन पूरी तरह खोखले साबित हुए। इतना ही नहीं नागरिकों का आरोप है कि पुलिस लापता छात्र के परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों को बचाने में लग गई है। नागरिकों ने कहा कि शीघ्र कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो अगले सप्ताह सेक्टर तीन के नागरिक परिजनों को साथ लेकर पुलिस कमिश्नर से मुलाकात करेंगे। शनिवार को पुलिस से मिले शिष्टमंडल में रेजिडेंट वेलफेयर फेडरेशन के प्रधान सुभाष लांबा व सचिव रतन लाल राणा के अलावा राजेश कुमार, मधु कौशिक, अंजू अरोड़ा, सौरभ चौरसिया आदि शामिल थे। रेजिडेंट वेलफेयर फेडरेशन के प्रधान सुभाष लांबा ने शनिवार को पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर से बातचीत की और उनके संज्ञान में पूरा मामला लाया गया। श्री लांबा ने बताया कि डीजीपी को मामले की सभी डिटेल वाट्स एप कर दी गई है। डीजीपी ने सूचित किया कि इस मामले में फरीदाबाद पुलिस आयुक्त से बातचीत की है और लापता छात्र को बरामद करने व मामले में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। श्री लांबा ने उम्मीद जताई कि पुलिस कार्रवाई में अब तेजी आनी चाहिए।

भाजपा सरकार है पेपरलीक सरकार : चुन्नू राजपूत

नीट परीक्षा स्कैम को लेकर युवा कांग्रेस ने फूंका केंद्रीय शिक्षामंत्री का पुतला

Faridabad/Alive News

नीट परीक्षा स्कैम और नेट परीक्षा पेपर लीक होने के विरोध में हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव चुन्नू राजपूत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बल्लभगढ़ में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला फूंकते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने मांग की कि जब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलता, तब तक युवा कांग्रेस छात्रों की लड़ाई लड़ती रहेगी। इस मौके पर चुन्नू राजपूत ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में जो भी परीक्षा होती है उसमें कहीं ना कहीं पेपर लीक हो जाता है। ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। सरकार के इस फेल्योर का नुकसान युवाओं को झेलना पड़ रहा है, आज बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। श्री राजपूत ने कहा कि जब तक युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा कांग्रेस सडक़ों पर बनी रहेगी। आज देश का युवा भाजपा सरकार की नीतियों एवं भ्रष्टाचार से आहत है। चाहे बात नौकरियों की हो या परीक्षा प्रतियोगिताओं की हर जगह सरकार का फेल्योर नजर आ रहा है। ऐसे में 24 लाख एन ई ई टी एवं 9 लाख यू जी के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने नीट परीक्षा रद्द कर दोबारा से आयोजित किए जाने की मांग की। इस मौके पर बल्लभगढ़ युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष रणवीर सिंह, अंकित राघव, सुनील कुमार, वीर राजपूत, पंकज पाल, संजीव तिवारी, अभिषेक तिवारी, आकाश सिंह सहित अनेकों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस की सरकार बनने पर कालोनियों का होगा नए स्वरुप में विकास: ललित नागर

▸▸ पूर्व विधायक ने श्याम कालोनी पार्ट-2 में सुनीं महिलाओं की समस्याएं

Faridabad/Alive News

तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अतर्गत आने वाली श्याम कालोनी पार्ट-2 के लोग सरकार व प्रशासन की लचर कार्यशैली के चलते नारकीय जीवन जीने को मजबूर हो रहे है। चेतन मार्केट सेहतपुर के साथ लगी इस कालोनी में व्याप्त समस्याओं को लेकर स्थानीय महिलाओं ने एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रुप से तिगांव क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर ने शामिल होकर उनकी समस्याओं को सुना। महिलाओं ने बताया कि उनकी कालोनी में अधिकांश सडक़ें पूरी तरह से बदहाली का शिकार है, यहां जलभराव और कीचड़ फैला रहता है, जिससे आने जाने में राहगीरों को परेशानी होती है, कालोनी की गलियों की भी अमूमन यही हालत है, पक्की न होने के कारण गलियों में भी कीचड़ फैली रहती है और आने वाले समय में मानसून आने वाला है, जिसके चलते यहां हालात बद से बदत्तर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों से इस कालोनी में कोई सीवरेज की लाईन नहीं बिछाई गई, जिसके चलते लोगों को भारी परेशानियां पेश आती है वहीं बिजली की बात की जाए तो यहां खम्बों पर तारें लटकी रहती है, जिसमें अक्सर शॉर्ट सर्किट होता रहता है और बिजली गुल हो जाती है। वहीं पीने के पानी की भी यहां भारी किल्लत रहती है, लोगों को निजी टैंकरों से पानी खरीदना पडता है, जिसके चलते उनके जेबों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, कई बार कहने के बावजूद अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती और उन्होंने अभी तक कालोनी में पानी के कोई व्यवस्था नहीं करवाई है। महिलाओं की समस्याएं सुनने के बाद पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है, यह केवल झूठ और जुमलेबाजों की सरकार है, इस सरकार में विकास के नाम पर एक ईट तक नहीं लगी और भाजपाई स्मार्ट सिटी का झूठा राग अलापकर लोगों को गुमराह करने में लगे हुए है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में जनता ने पांच सीटें कांग्रेस को जिताकर यह जनादेश दे दिया है कि आने वाले समय में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी और उसके बाद तिगांव क्षेत्र की सभी कालोनियों का नए स्वरुप में विकास किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को लेकर वह जल्द ही संबंधित अधिकारियों से मिलकर इन्हें दूर करवाने का भरसक प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता रिजवान आजमी, कोमलवती, नुरजहां, सीता दूबे, शिव देवी, तापसी देवी, सुखबीरी, मनीषा देवी, भगवती, सरोज,वीना देवी, चंदावती सहित अनेकों महिलाएं मौजूद थी।

बल्लभगढ़ के विकास कार्यों में नहीं होगी कोई भी कोताही बर्दाश्त : मूलचंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री ने सीवरेज, पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई लाइनों के विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

Faridabad/Alive News

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के विकास कार्यों में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि अधिकारी निर्धारित समय पर विकास कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने आज शनिवार को बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सीवरेज व्यवस्था और पीने के पानी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के विकास कार्यों का औचक निरीक्षण कर रहे थे । जहां कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ शहर के नाले और डिस्पोजलो और पीने के पानी की लाइन का संयुक्त निरीक्षण किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने आज नेशनल हाईवे मुंबई बड़ोदरा एक्सप्रेसवे, डीआरडीए, एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारियों के साथ सेक्टर- 3 तिगांव अंडरपास के अलावा सेक्टर- 64 डिस्पोजल नियर चंदावली अडरपास का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सीवर के पानी की निकासी का उचित प्रबंध कराएं। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों से आने वाले 5 दिन में धरातल पर प्रगति रिपोर्ट दिखाने के लिए सख्त आदेश भी दिए हैं। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि शहर में फरीदाबाद मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण/ एफएमडीए द्वारा सीवर लाइन की सफाई का कार्य किया जा रहा है। जिसकी वजह से शहर के कुछ स्थान पर सीवर का पानी खुले में बहने की शिकायत आ रही थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने उपरोक्त विभागों के अधिकारियों के साथ मौके का औचक निरीक्षण किया गया है । केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि यदि बल्लबगढ़ शहर में किए जा रहे कार्यों में लापरवाही बरती तो उनके खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्यवाही कराएंगे। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे की तरफ से दिल्ली बड़ोदरा मुंबई एक्सप्रेस निर्माणाधीन का कार्य चला हुआ है। उसी के कारण सीवर के पानी की निकासी,नाले के पानी की निकासी और पीने के पानी की समस्या आई थी। जिसे दुरुस्त करने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर नेशनल हाइवे अथॉरिटी की तरफ से कमलकांत और उनकी इंजीनियर विंग टीम, नगर निगम के चीफ इंजीनियर वीके कर्दम ,कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम, सबडिविजनल अमित चौधरी, एफएमडीए से कार्यकारी अभियंता अंकित भारद्वाज के अलावा एसडीओ और जेई व अन्य तकनीकी अधिकारी भी मौजूद रहे।

भारत ऋषि मुनियों की भूमि आज भी तपस्या से होते हैं सब के दुख दूर: धर्मवीर भड़ाना

Faridabad/Alive News

आज फरीदाबाद के एनआई 86 विधानसभा के मोहताबाद पावटा ग्राम मैं भाजपा नेता धर्मवीर भड़ाना ने लगातार 7 दिनों से तपस्या कर रहे तपस्वी महाराज को महाराज का फूल मालाओं से स्वागत किया। धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि भारत देश ऋषि मुनियों की भूमि है यहां पर तपस्या से बड़े-बड़े दुख दूर हो जाते हैं, उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए एवं वर्षा होने के लिए ग्राम पावटा में तपती आंचों के बीच तपस्वी महाराज लगातार सात दिन तपस्या कर रहे थे और आज सातवें दिन उनका अनुष्ठान पूरा हुआ और भगवान ने तुरंत उनकी सुनी और फरीदाबाद 86 विधानसभा का मौसम खुश गवार होता नजर आ रहा है साथ-साथ बारिश की फुहार भी पडती दिखाई दे रही है, उन्होंने बताया कि विधानसभा की जनता पीने के पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रही है और वर्तमान विधायक कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं उन्होंने कहा कि अधिकतम लोगों की समस्या वह स्वयं निगम के एसडीओ और जेई से बात करके समाधान कर रहे हैं फिर भी विधानसभा में कई जगहों पर अब भी जनता पानी की बूंद के लिए तरसती दिखाई दे रही है, उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही निगम से मिलकर फरीदाबाद 86 विधानसभा की हर गलियों में पानी पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर पावटा गांव की सरपंच वीरू सरपंच, कपिल भड़ाना ,जयराज, बालवीर नंबरदार, जगबीर ठेकेदार, प्रमोद सरपंच ,ब्रह्मजीत, सचिन, परवीन, संतराम भड़ाना समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

फ्रैक्चर गैंग का मुखिया कुलभूषण उर्फ़ कुल्लू सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

Faridabad/Alive News

अपराध शाखा सेंट्रल पुलिस ने फ्रेक्चर गैंग के मुखिया कुलभूषण उर्फ कल्लू सहित तीन आरोपियों को लूट व लड़ाई झगड़े के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी कुलभूषण पर लड़ाई झगड़े,धमकी,लूट पाट, फिरौती व हत्या के कुल 15 मुकदमे दर्ज है, जबकि आरोपी विकास उर्फ विक्की पर लड़ाई झगड़े हत्या धमकी व लूटपाट के 07 मुकदमें दर्ज है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी कुलभूषण उर्फ कुल्लू गाँव नचौली फरीदाबाद का रहने वाला है व फ्रैक्चर गैंग का मुखिया है व विकास उर्फ विक्की भी फ्रैक्चर गैंग का सदस्य है। आरोपी कुलभूषण उर्फ कुल्लू व विकास उर्फ विक्की आदतन अपराधी है। कुलभूषण पर लड़ाई झगड़े,धमकी,लूट पाट, फिरौती व हत्या के कुल 15 मुकदमे दर्ज है व आरोपी विकास उर्फ विक्की पर लड़ाई झगड़े हत्या धमकी व लूटपाट के कुल 07 मुकदमे दर्ज है। आरोपी पारस व अमन के खिलाफ 2 अभियोग लड़ाई झगड़े के दर्ज है। क्राइम ब्रांच सेंट्रल फरीदाबाद की टीम ने आरोपियों द्वारा लड़ाई झगड़े व लूट की वारदात पर थाना भूपानी में दर्ज मुकदमा में कसौली हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने 7 जून को बुआपुर निवासी राहुल की स्कॉर्पियो गाड़ी के पीछे अपनी गाड़ी लगाकर उसके साथ मारपीट की और उससे 30000 छीन लिए। पुलिस द्वारा आरोपियों को अदालत में पेश करके अदालत से 07 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया। रिमांड के दौरान आरोपियों के कब्जे से वारदात मे उपयोग की गई गाड़ी, 02 लोहा रोड व डंडे बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

विजय यादव क्रिकेट अकादमी ने रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना को 4 विकेट से हराया

Faridabad/Alive News

क्रिक गियर कप 7th ऑल इंडिया रविंदर फागना अंडर-13 डे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 रविंदर फागना क्रिकेट भूमि ग्राउंड फरीदाबाद पर खेला गया यह मैच विजय यादव क्रिकेट अकादमी और रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना के बीच खेला गया। इस मैच मे विजय यादव क्रिकेट अकादमी ने रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना को 4 विकेट से हराया, यह मैच 40 ओवर का था और रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना ने पहले टॉस जीतकर बैटिंग करने का निर्णय लिया। रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना ने पहले बैटिंग करते हुए 23.1 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 70 रन का लक्ष्य दिया । रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना की ओर से बल्लेबाजी करते हुए केशव ने 29 गेंदों पर 4 चौको की मदद से 21 रन, पुलकित ने 29 गेंदों पर 1 चौके की मदद से 12 रन बनाए। विजय यादव क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए साहिल कुंडू ने 4 ओवर में 1 मैडेन 12 रन देकर 3 विकेट उमर मोहम्मद और युवराज भारद्वाज ने 2/2 विकेट राघव गोयल, रुद्र भाटिया और धुव्र साइवाल ने 1/1 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए विजय यादव क्रिकेट अकादमी ने 31.1 ओवर में 6 विकेट खोकर 74 रन बनाकर जीत हासिल की। विजय यादव क्रिकेट अकादमी की ओर से साहिल यादव ने 57 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी सोहना की ओर से हार्दिक कसाना ने 8 ओवर में 1 मैडेन 10 रन देकर 3 विकेट, काव्य शर्मा और पुलकित ने 1/1 विकेट हासिल किया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच साहिल कुंडू और फाइटर ऑफ द मैच हार्दिक कसाना को घोषित किया गया।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

गुरुग्राम विश्वविद्यालय को मिले 46 स्थायी शिक्षक, 16 क्लर्क हुए पदोन्नत

Gurgaon/Alive News

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक ढांचे को लगातार मजबूती मिल रही है। एक तरफ तो विश्वविद्यालय के नए कैंपस का युद्ध स्तर पर निर्माण हो रहा है, दूसरी तरफ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु फैकल्टी व अन्य स्टाफ की कमी को दूर किया जा रहा है। हाल ही में गुरुग्राम विश्वविद्यालय में 46 स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, इनमें 13 एसोसिएट प्रोफेसर, 30 असिस्टेंट प्रोफेसर और 3 प्रोफेसर शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में इन सबकी स्थायी नियुक्ति हो चुकी है। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी में शिक्षकों की कमी को काफी हद तक पूरा कर लिया गया है । वही दूसरी और विश्वविद्यालय में कार्यरत 2019 बैच के 16 क्लर्कों को भी पदोन्नति मिली है। अब वे असिस्टेंट बन गए हैं। पदोन्नति के साथ ही उनके वेतनमान में भी अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। इसी संदर्भ में 1 दफ्तरी को भी प्रमोट करते हुए क्लर्क बनाया गया है ।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सभी फैकल्टी व असिस्टेंट को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें विद्यार्थियों के हित में बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर गतिमान है। इस कार्य में सबकी भूमिका सराहनीय है। हमें शिक्षा के ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में काम करना है। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय का विशाल परिसर होगा। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार एवं कुलसचिव डॉ राजीव कुमार को अपनी नियुक्ति व पदोन्नति पर सभी स्टाफ सदस्यों ने मिठाई खिलाई।

मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

Rewari/Alive News

रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन द्वारा मेगा रक्तदान शिविर रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन ने रोटरी ब्लड बैंक, गुरुग्राम और एस.एस. ब्लड बैंक, भिवाड़ी के सहयोग से हीरो मोटो कॉर्प, धारूहेड़ा में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 595 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन प्लांट हेड विकास मेहता, प्लांट एचआर हेड धर्म रक्षित, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत साहा, रोटरी जिला 3011 की वरिष्ठ सदस्य डॉ. पुष्पा सेठी और नागरिक अस्पताल से उप सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने किया। शिविर के प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ. पवन गुप्ता थे। राहुल जैन, जे.पी. चौहान, ज्योति गुप्ता, सीए निधि गौतम, नेहा शर्मा, मीनाक्षी अरोड़ा, रोटरी ब्लड बैंक के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तनेजा भी शिविर में शामिल हुए और उन्होंने रक्तदाताओं की सराहना की और उन्हें सम्मानित भी किया। सीए निधि गौतम ने भी रक्तदान किया। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन मनीष अरोड़ा ने कहा कि सुबह से ही रक्तदाताओं का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्लब इस वर्ष अधिकाधिक रक्तदान शिविर लगाएगा तथा 2500 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेगा। प्रत्येक रक्तदाता को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र दिया गया। क्लब के प्रवक्ता डॉ. नवीन अदलखा ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन द्वारा हीरोमोटो कॉर्प में पिछले 14 वर्षों में यह 23वां रक्तदान शिविर था तथा यह शिविर रक्तदान के मामले में

जिला पुलिस की शहरी यातायात ईकाई ने वाहन चालकों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

Karnal/Alive News

जिला पुलिस की शहरी यातायात ईकाई द्वारा शहरी क्षेत्र में वाहन चालकों को यातायात के नियमों के पालन के लिए जागरूक किया। उप निरीक्षक धर्मपाल व उनकी टीम ने हेल्मट न पहनने वाले दो पहिया वाहन चालकों को रोककर हेल्मन पहन वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया व बताया कि हेल्मट सिर्फ चलान से बचने या पुलिस के डर से न पहने बल्कि इसे अपनी एक नैतिक जिम्मेवारी भी समझें। हेल्मट के उपयोग से बारिश के मौसम में निकलने वाले किट पतंगे आंखों में नहीं जाते व दूर्घटना के समय सिर में लगने वाली गंभीर चोटों से बचा जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने चार पहिया वाहन चालकों को भी सीट बैल्ट लगाने, रेड लाईट पर जेब्रा क्रासिंग से पहले गाड़ी रोकने और गाड़ी को सुनिश्चित स्थान पर ही पार्क करने के लिए जागरूक किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए इन्चार्ज शहरी यातायात निरीक्षक नसीब सिंह ने बताया कि यातायात नियम व संकेत हमारी सड़कों पर व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बनाए व लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे आप अनुभवी ड्राईवर हों, पैदल यात्री हों या साईकिल चालक, दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए इन नियमों का पालन करना आवश्यक है, यातायात जीवन सुरक्षा की दृष्टि से एक नियमबद्व प्रक्रिया है। इस कारण यातायात नियमों का पाल करके सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना हम सभी का दायित्व है, क्योंकि छोटी सी भी गलती हो जाने से किसी भी प्रकार की दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि यातायात नियम वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बनाए जाते हैं, इसी उद्देश्य से ड्राइविंग टेस्ट भी लिए जाते हैं और उन्हें यातायात संकेतों गति सीमा, प्रवेश निषेध और स्टॉप संकेत का ज्ञान भी दिया जाता है।

सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से आम जन को मिल रहा है फायदा-हरविन्द्र कल्याण

Karnal/Alive News

घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए हरियाणा सरकार नित नई-नई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है ताकि वे इनका लाभ उठाकर राष्ट के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर सके। विधायक हरविंद्र कल्याण ने बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार ने गरीबों के उत्थान के लिए आयुष्मान भारत योजना, हैप्पी कार्ड योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू करके गरीबों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है।

1 जुलाई, 2024 से लागू हो गए तीन नए आपराधिक कानून

Karnal/Alive News

एसपी मोहित हाण्डा के आदेशों व दिशा निर्देशों अनुसार जिला के सभी थानों में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन कर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तीनों नए कानूनों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। इस दौरान नए कानूनों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व साक्ष्य अधिनियम आज 1 जुलाई, 2024 से लागू हो गए हैं। जिन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) व भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान ले लिया। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस विषय में गहनता से अध्ययन किया है।

प्रत्येक कार्रवाई के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित की गई-

नए कानूनों में दिए गए प्रावधानों में प्रत्येक कार्रवाई के लिए निश्चित समय सीमा निधारित की गई। शिकायत मिलने के 3 दिन के अंदर एफआईआर दर्ज करनी होगी। जिन केसों में 3 से 7 साल सजा का प्रावधान है उन केसों में थाना प्रभारी, उप पुलिस अधीक्षक अथवा उससे वरिष्ठ अधिकारी की अनुमति लेकर एफआईआर दर्ज करने से पहले 14 दिन के भीतर प्रारंभिक जांच कर सकेंगे। प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज करनी होगी। एफआईआर दर्ज करने के बाद पीड़ित को मुकदमें की प्रगति बारे एसएमएस या अन्य इलेक्ट्रोनिक्स माध्यमों द्वारा 90 दिनों के अंदर अंदर जानकारी प्रदान की जाएगी। नए कानून में समयबद्ध न्याय के लिए माननीय न्यायालय व पुलिस के लिए सीमाएं भी निर्धारित की गई-

नए कानूनों के लागू होने पर ट्रायल कोर्ट को हर फैसला अधिक से अधिक तीन साल में देना होगा। महिला विरूद्व अपराध से संबंधित मामलों में 60 दिन के अंदर-अंदर जांच पूरी कर माननीय न्यायालय में चालान पेश करना होगा। नये कानून के अनुसार इलेक्ट्रोनिक्स माध्यम/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही रिकार्ड की जा सकेगी। मुकदमें में बहस/दलीलें पूर्ण होनें उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा 30 दिन में फैसला देना अनिवार्य होगा व जिसे अधिकतम 45 दिनों की अवधि तक बढ़ाया जा सकता है। अन्य संगीन मामलों में 90 दिन में जांच पूरी कर चालान पेश करना होगा। नए कानून लागू होने पर पुलिस संगीन मामलों में 60 दिन के अंदर अंदर दौबारा से रिमांड ले सकती है।

संगठित अपराध जो बार-बार अपराध करते हैं, ऐसे मामलों में अब कठोर सजा फांसी, उम्रकैद के साथ साथ कम से कम 10 लाख रूपये जुर्माना होगा। जैसे फिरौती मांगना, साइबर अपराध, किडनैपिंग, जमीनों पर कब्जा करना इत्यादि।

संगीन मामलों में पुलिस अब आरोपियों को हथकड़ी लगाकर भी माननीय न्यायालय में पेश सकती हैं। गरीब की जायदाद पर जो कब्जा करते हैं, उन पर भी इसमें समयबद्ध कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

नए कानून में छोटे अपराध जिनमें 3 वर्ष से कम की सजा है, उनमें आरोपित यदि 60 वर्ष से अधिक आयु का है तो उसकी गिरफ्तारी के लिए उप पुलिस अधीक्षक या उससे वरिष्ठ अधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। गंभीर अपराध की सूचना पर घटनास्थल पर बिना विचार करे शून्य एफआइआर दर्ज होगी।इस संबंध में जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, करनाल नायब सिंह ने बताया कि दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामलों में जांच दो माह के भीतर पूरी करनी होगी। नए कानून के तहत पीड़ित को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। इसके अलावा तलाशी अथवा जब्ती की प्रक्रिया के दौरान वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य होगा, जिसके लिए भी सभी अनुसंधान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

संगठित अपराध पर विशेष प्रावधान-

नए कानून में संगठित अपराध पर विशेष प्रावधान है। संगठित गैंग, सिंडिकेट चलाने वाले गिरोह के आरोपियों द्वारा अपराध कर काली कमाई से अर्जित की संपत्ति को अटैच करने के प्रावधान बारे विशेष रूप से दिया गया। अब जांच अधिकारी पुलिस अधीक्षक महोदय के माध्यम से माननीय न्यायालय में अपील कर आरोपियों की इस प्रकार से अर्जित की संपत्ति अटैच करवा सकेंगें।

नए कानूनों से आमजन को परिचित कराने के लिए प्रत्येक थाना में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

वंचित अनाथ बच्चों के जीवन में निखार लाना अनाथालय का लक्ष्य-सेशन जज

Karnal/Alive News

जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन चंद्रशेखर ने कहा कि वंचित अनाथ बच्चों के जीवन में निखार लाना अनाथालय का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बच्चों को नियमानुसार तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। इसके साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश चन्द्रशेखर गत दिवस एमडीडी बाल भवन करनाल का औचक निरीक्षण करने के उपरांत बच्चों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रशेखर, सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ सविता कुमारी मुख्य दंडाधिकारी सुधीर कुमार ने फूसगढ़ रोड पर स्थित एमडीडी बाल भवन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों को संस्थान की तरफ से उपलब्ध करवाई जा रही तमाम सुविधाओं के बारे में संस्थान के अधिकारी एवं संरक्षक पीआर नाथ से फीडबैक ली और बच्चों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने के लिए कुछ आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए हैं। जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रशेखर ने कहा कि समाज के जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया है और जो माता-पिता अपने बच्चों का पालन-पोषण करने में सक्षम नहीं है। उन बच्चों की देखभाल एमडीडी ऑफ इंडिया चाइल्ड केयर संस्थान द्वारा की जा रही है। इस संस्थान में जो लड़कियां रह रही है वे सभी विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षा ग्रहण कर रही है। इसके अलावा संस्थान की तरफ से बच्चों को एक अच्छा माहौल देने के साथ-साथ तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा बच्चों का व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से साक्षात्कार किया गया और उनसे उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा कुछ बच्चों से कविताएं सुनकर उनका मनोबल भी बढ़ाया गया एवं उनको प्रेरणा भी दी गई और उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा बच्चों को नियमानुसार तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके बाद सेशन जज ने संस्थान के पुस्तकालय और अन्य कक्षाओं का अवलोकन भी किया। इस दौरान संरक्षक पीआर नाथ ने संस्थान की तरफ से उपलब्ध करवाई जा रही तमाम सुविधाओं के बारे में रिपोर्ट दी।

विधायक हरविंद्र कल्याण ने किया यमुना से सटे संभावित बाढ़ क्षेत्र में बचाव कार्यों का निरीक्षण

Karnal/Alive News

विधायक हरविंद्र कल्याण ने मंगलवार को यमुना से सटे संभावित बाढ़ क्षेत्र के गाँव लालूपुरा, सदरपुर, खिराजपुर, नबीपुर व कुंडाकला में चल रहे बाढ़ से बचाव को लेकर तटबंधो के निर्माण कार्य का विभागीय अधिकारियों की टीम के साथ निरीक्षण किया। विधायक ने इस मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में तेज गति से पूरा करें तथा ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मानसून के दौरान कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

इस मौके पर विधायक कल्याण ने बताया कि पत्थरों की उपलब्धता में आ रही थी समस्या को लेकर पिछले दिनों चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री व उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की और इस समस्या का समाधान करवाया गया। उन्होंने अधिकारियों को कामों में तेज़ी लाने व उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा साथ ही कहा कि मैं कहीं भी रहूं लेकिन मेरा दिमाग हर वक्त यमुना बांध पर हो रहे निर्माण कार्यों पर ही रहता है। इसलिए ग्रामीण बेफिक्र रहें और यमुना तटबंध पर चल रहे कामकाज पर निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान विधायक कल्याण को ग्रामीणों ने कुछ सुझाव दिए जिस पर विधायक ने मौके पर उपस्थित तथा चंडीगढ़ में आला अधिकारियों से उन सुझावों पर संज्ञान लेने के लिए कहा। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि आप निश्चिन्त रहे, सरकार और प्रशासन पर पूरी

मुस्तैदी के साथ बांध पर होने वाले बचाव कार्य में लगा हुआ है। बता दे कि पिछले मानसून के दौरान आई दिक्कत को देखते हुए विधायक हरविंद्र कल्याण ने मुख्यमंत्री के सामने सभी दिक्कतों को रखा था, जिसके उपरांत लगभग 28 करोड़ की राशि सरकार द्वारा बाढ़ बचाव कार्यों के लिए मंजूर की गई थी। जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर कार्य चल रहे हैं। ग्रामीणों ने भारी तादाद में तटबंध के निर्माण के लिए पहुंचे पत्थरों के लिए विधायक कल्याण के माध्यम से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस बार समय रहते काम शुरू होने से यमुना बेल्ट के सभी ग्रामीण निश्चिन्त रहेंगे वरना हमेशा मानसून के दौरान खतरा बना रहता था। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता मनोज कुमार, एसडीओ विकास व करनैल सिंह, पूर्व सरपंच विकास गुज्जर, सरपंच ओमबीर, शिव कुमार, सत्यवान, निशांत, राजेश कम्बोज, सरपंच कृष्ण, राकेश कश्यप, राजीव आदि उपस्थित रहे।

फायरिंग करके फिरौती मांगने के विरोध में 5 जुलाई को हिसार ऐतिहासिक बंद होगा- बजरंग गर्ग

Hisar/Alive News

व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग सब्जी मंडी, काठ मंडी व लोहा मंडी में हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कानफैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया कि 5 जुलाई को पूरी तरह से सब्जी-फल एसोसिएशन, सब्जी मशाखोर एसोसिएशन, काठ मंडी, लोहा मंडी, पुरानी मंडी व फ्लेक्स मार्केट पूरी तरह बंद रहेगी और सभी ट्रेड यूनियन ने भी 5 जुलाई हिसार बंद में बढ़-चढ़कर भाग लेने का भी अहवान किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित व्यापारियों को संबोधित किया कि अपराधियों द्वारा फतेहाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में व्यापारियों को गोली मारकर हत्या कर दी और हरियाणा में हर रोज अपराधियों द्वारा फिरौती, लूटपाट, हत्या, अपहरण, चोरियों की वारदातें की जा रही है। आज हरियाणा का व्यापारी अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह भयभीत है जबकि मुख्यमंत्री जी कुंभकरण की नींद में सोए हुए हैं। हरियाणा में लगातार अपराधिक घटनाएं होने के बावजूद भी मुख्यमंत्री ने अपराध को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाई है। हिसार में 9 दिन पहले अपराधियों द्वारा दिन-दिहाड़े फायरिंग करके 3 लोगों से करोड़ों की फिरौती

मांगने वाले अपराधी अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है जबकि दिन-दहाड़े 3 अपराधी मोटरसाइकिल पर आकर महिंद्रा शोरूम पर लगभग 30 राउंड फायरिंग करके पूरे शहर में घूम कर फरार हो जाते हैं। फायरिंग करने वाले अपराधी को अभी तक ना पकड़ना सरकार व पुलिस प्रशासन की विफलता का जीता जागता सबूत है। बजरंग गर्ग ने कहा कि व्यापारी लगातार 9 दिन से अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है और जिसके लिए व्यापारियों ने 5 जुलाई को हिसार बंद का अहवान किया है। 5 जुलाई को हिसार बंद ऐतिहासिक होगा। जिसमें हर ट्रेड का व्यापारी, सामाजिक व धार्मिक संस्था बढ़-चढ़कर भाग लेगी। इस अवसर पर सब्जी मंडी प्रधान सुरेश जुनेजा, प्रधान ओमप्रकाश राडा, संरक्षक मोहनलाल सैनी, सचिव प्रीतम सैनी, काठ मंडी के प्रधान महावीर जांगड़ा, राधेश्याम आर्य, माशाखोर एसोसिएशन के प्रधान लाखाराम, लोहा मंडी प्रधान सीताराम सिंगल, संरक्षक घनश्याम दास गर्ग, सचिव दिनेश डाबडा वाले, फ्लेक्स मार्केट से सौरभ पुरी, राधे श्याम मयड, सुभाष असरावां, माखनलाल सैनी, हरि सिंह सैनी, योगेश बड़वा, राज कुमार, बंटी सैनी, रमेश, प्रवीण, हंसराज, हरिकेश, सतीश सैनी, सुमित कुमार, महिपाल शर्मा, गुलशन कुमार, आदर्श कुमार, सुधीर सिंह आदि में व्यापारी प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

रैडक्रास की तरफ से टीबी प्रोजेक्ट के तहत मरीजों को निशुल्क वितरित की न्यूट्रिशन राशन किट

Karnal/Alive News

जिला रेडक्रॉस सोसायटी की तरफ से टीबी प्रोजेक्ट के तहत पांच मरीजों को न्यूट्रिशन राशन किट वितरित की गई। यह राशन किट जिला रैडक्रास सोसायटी के चेयरमैन व उपायुक्त उत्तम सिंह के आदेशानुसार वितरित की गई है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने कहा कि उपायुक्त उत्तम सिंह की तरफ से व भारतीय रेडक्रास हरियाणा राज्य के महासचिव डॉ मुकेश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में संचालित टीबी प्रोजेक्ट के तहत मरीजों को पांच टीबी मरीजों को न्यूट्रिशन राशन किट निशुल्क प्रदान की है। रेडक्रॉस सचिव ने कहा कि रेड क्रॉस टीम द्वारा चयनित पांच टी. बी. ग्रस्त मरीजों जो की रामनगर, विजयनगर, पाल नगर, सैदपूरा के निवासी हैं को न्यूट्रिशन युक्त राशन किट वितरित की गई। उनसे उनकी बीमारी संबंधित समस्याओं के बारे में चर्चा की गई व नियमित दवाइयां लेने तथा पौष्टिक खाना जैसे कि प्रोटीन युक्त आहार लेने बारे में बताया गया।

नवनियुक्त ओएसडी संजय बठला का हुआ भव्य स्वागत

Karnal/Alive News

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि संजय बठला को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा ओएसडी नियुक्त किए जाने पर करनाल के लोगों में खुशी का माहौल है। इसी खुशी में करनाल की सामाजिक धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं द्वारा करनाल के घंटाघर चौंक पर लड्डू बांटे गए और पटाखे चलाए गए।इस मौके पर ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते हुए लोगों ने फूलों की मालाओं एवं पुष्प वर्षा कर नवनियुक्त ओएसडी संजय बठला का स्वागत किया।

चंडीगढ़ से सीधे वाल्मीकि चौक पर पहुंचे नवनियुक्त ओएसडी संजय बठला ने सबसे पहले नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर फूलों के माला पहनाकर नमन किया। उसके बाद ढोल नगाड़ों के साथ आई हुई संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हार पहनाकर भव्य स्वागत किया। वाल्मीकि चौक पर भव्य स्वागत के पश्चात पुरानी जी टी रोड पर दुकानदरों ने मंच लगाकर भव्य स्वागत किया। ढोल बजाते हुए दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर स्वागत किया और बधाइयां दी

इस मौके पर नवनियुक्त ओएसडी संजय बठला ने अपनी इस नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ साथ हरियाणा के वर्तमान के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा मुझे पर विश्वास करते हुए मुझे जो यह जिम्मेदारी दी गई है उसको में पूरी ईमानदारी से निभाउंगा एवं जिला एवं प्रदेश के लोगों की जो भी समस्याएं होंगी उनको माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कर उनका समाधान करवाने में कोई कोर कसर नहीं छोडूंगा।

संजय बठला ने लोगों द्वारा दिए इस सम्मान पर मौके पर मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मेयर रेणु बाला गुप्ता, कमल मुंजाल, विकास कथूरिया, सुनील मदान, सरदार दर्शन सहगल, मनीष तनेजा, मनमीत बावा,अलका चौधरी, परवीन गोयल, बिशन सिंह शेखावत, परवीन लाठर, राकेश मदान, विजय गिरधर, अलका चौधरी, वीना सेठी, कृष्ण गर्ग, दीपक गुप्ता, ईश गुलाटी, संकल्प भंडारी, विजय गिरधर, संजय गुप्ता, सुमित सचदेवा, सुनील गुप्ता, डॉ. पुरी, संजय बत्रा एवं पूर्व पार्षद एवं भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

नए कानून के संबंध में पुलिस ने दी लोगों को जानकारी

Faridabad/Alive News

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा-निर्देशानुसार फरीदाबाद पुलिस के सभी पुलिस थाना व चौकी स्तर पर पुलिस टीमों के द्वारा आमजन को 01 जुलाई 2024 से लागू हुए 3 नए कानूनों की जानकारी दी गई। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियो द्वारा भी स्थानीय लोगो को नए कानूनों के बारे में अवगत कराकर जागरुक किया गया है। अब आपराधिक न्याय व्यवस्था से संबंधित तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023 पहले आईपीसी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 पहले सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के नाम लागू रहेगे। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा आज से नए कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्त के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, प्रबंधक थाना व प्रभारी चौकियों द्वारा थाना व चौकी में स्थानीय लोगो को तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में जागरुक किया तथा इन कानूनो के अंतर्गत नागरिकों को अपराध के संबंध में अधिकार और कर्तव्यों के बारे में भी बतलाया गया। इस दौरान फरीदाबाद पुलिस द्वारा थाना व चौकी स्तर पर लगातार कार्यक्रमों का आयोजन करके हजारों की संख्या में लोगो को नए कानूनों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

टूटी सडक़ें, बहता पानी तिगांव क्षेत्र की यही कहानी : ललित नागर

पूर्व विधायक ने गंदे पानी में उतरकर कृष्णा कालोनी सेहतपुर में सुनीं लोगों की समस्याएं

Faridabad/Alive News

तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर द्वारा क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं को लेकर चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के तहत उन्होंने कृष्णा कालोनी सेहतपुर में पैदल पदयात्रा निकाल लोगों की समस्याओं को जाना और गंदे पानी में नंगे पांव चलकर लोगों की समस्याओं का बारीकि से अवलोकन किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि कालोनियों की अधिकांश गलियां कच्ची है और सडक़ें भी बदहाल हैं, जिसके चलते यहां कीचड़ और जलभराव रहता है और लोगों को आवागमन में दिक्कतें पेश आती है। जलनिकासी के यहां कोई इंतजामात प्रशासन द्वारा नहीं किए गए। लोगों ने बताया कि मानसून का मौसम शुरू होने वाला है, लेकिन प्रशासन ने अभी तक नाले-नालियों की सफाई तक नहीं करवाई, जिसके चलते यहां बरसातों में लोगों का जीना दुश्वार हो जाएगा। इसकी जानकारी प्रशासन को दे दी गई है, लेकिन फिर भी कोई कदम नहीं उठाए गए। इसी प्रकार यहां पीने के पानी की भी काफी किल्लत है, हमें निजी टैंकरों से खरीदकर पानी लेना पड़ता है, जिसकी वजह से हमारी जेबों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है वहीं बिजली की हालत भी यहां बद से बदत्तर है, ट्रांसफार्मरों पर अत्याधिक लोड होने की वजह से शार्ट सर्किट होती रहती है और लाईट घण्टों गुल रहती है और अगर ट्रांसफार्मर फूंक जाता है तो वह कई-कई दिनों तक नहीं बदला जाएगा और न ही बिजली कर्मी और अधिकारी उनके फोन उठाते। इसी प्रकार यहां के लोगों के राशन कार्ड काट दिए गए, जिसके वजह से उन्हें राशन नहीं मिल रहा और उनके समक्ष भारी परेशानियां पेश आ रही है। लोगों की समस्याएं सुनने के बाद पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हुई है, लोगों को बुनियादी सुविधाएं देना तो दूर लोगों पर नए-नए टैक्स लगाकर यह सरकार खून चूसने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में तिगांव क्षेत्र में कोई विकास नहीं हुआ बल्कि विकास के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुआ है, लोगों को जनसुविधाएं मुहैया करवाने में स्थानीय मंत्री, विधायक, पार्षद व प्रशासन पूरी तरह फेल साबित हुए है। उन्होंने कहा कि अब जनता भाजपा सरकार की कारगुजारियों से तंग आ चुकी है और इस सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है। उन्होंने तिगांव क्षेत्र के प्रति अपनी विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हरियाणा में अगली सरकार कांग्रेस सरकार बनने जा रही है और उसके बाद ही योजनाबद्ध तरीके से तिगांव क्षेत्र का समुचित विकास करवाया जाएगा। इस अवसर पर सैयद रिजवान आजमी, ज्ञानचंद गोयल, जब्बर सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह चौहान, राजेंद्र बिष्ट, मनोज, रिंकू, बुलट, राज बहन, लालू शाह, राकेश तिवारी, सुमित्रा, विवेक रावत, शिव शंकर सिंह, डीएस राणा, परवेज आलम, अश्वनी कुमार सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

1400 से अधिक मतदाताओं के मतदान केन्द्रों में बनवाएं जाएं अतिरिक्त मतदान केंद्र: विक्रम सिंह

निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार आवश्यकतानुसार नये बूथों का गठन जरूरी

Faridabad/Alive News

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में 1400 से अधिक मतदाताओं के मतदान केन्द्रों में अतिरिक्त मतदान केंद्र बनवाएं जाएं। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार आवश्यकतानुसार नये बूथों का गठन जरूरी है। वहीं उन्होंने बहुमंजिला इमारतों की सोसायटियों और जिला में जहां 1400 मतदाताओं से अधिक मतदान केन्द्र हैं। वहां के मतदाताओं से नये आह्वान करते हुए कहा कि वे नये और अतिरिक्त मतदान केंद्र बनवाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय और सम्बन्धित विधान सभा क्षेत्रों के एईआरओ कार्यालय में यथाशिघ्र आवेदन जरूर करें। उपायुक्त कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह सोमवार को दोपहर बाद भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लघु सचिवालय के बैठक कक्ष जिला के विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के संग विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची और नये मतदान केंद्रों के पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के साथ नई वोट बनवाने के साथ आवश्यकतानुसार नये बूथों के गठन पर गंभीरता से मंथन कर विधानसभा क्षेत्र वाईज बारीकी से जानकारी लेकर दिशा-निर्देश भी दिए। वहीं ऊंची इमारतों वाली सोसायटी में बूथों के गठन की पड़ताल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक बूथ पर मतदाताओं की संख्या 1400 मतदाताओं से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहां नये बूथों के गठन के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा पार्षदों के साथ बैठक भी करें। इसके अलावा उन्होंने अन्य जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार 01 जुलाई, 2024 को आधार तिथि मानकर यह कार्यक्रम जिला में चलाया गया है , जिसके तहत घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा सर्वे करते हुए मतदाता सूची की जांच करके घर-घर जाकर जानकारी ली जा रही है कि कौन से मतदाता स्थानांतरित हुए हैं। इसके अलावा मृतक वोटरों का आंकड़ा और 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं की जानकारी भी जुटाई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य की नियमित रिपोर्ट लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय प्रेषित करे। इसके लिए बीएलओ की आवश्यकता को भी तुरंत पूरा करें। समीक्षा बैठक अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा, जिला परिषद के सीईओ सतबीर सिंह मान, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोकचंद, एसडीएम बडख़ल अमित मान, एसडीएम फरीदाबाद शिखा अंतिल, बीडीपीओ पूजा शर्मा, चुनाव कानूनगो मौजूद रहे।

भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत दर्ज हुई पहली प्रथम सूचना रिपोर्ट

थाना खेडीपुल में धारा 80, 85 व 3(5) बीएनएस के अंतर्गत दर्ज किया गया अभियोग

Faridabad/Alive News

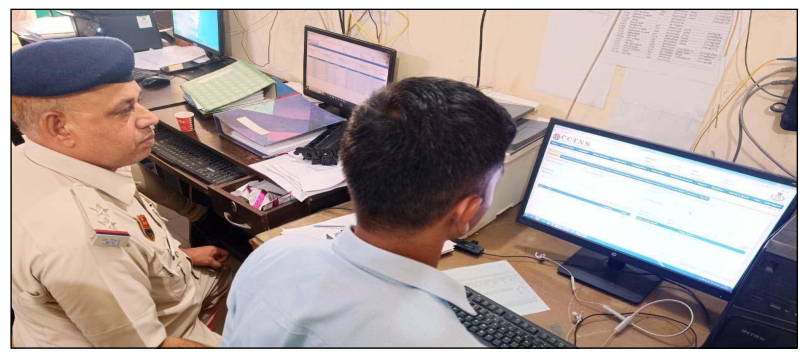

पूरे भारतवर्ष की तरह जिला फरीदाबाद में भी पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के मार्गदर्शन में तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 लागू हो चुके है। 1 जुलाई से घटित हुए अपराधों के संबंध में अब भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किए जाएगे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार को फरीदाबाद पुलिस द्वारा थाना खेडी पुल में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 80, 85 व 3(5) के अंतर्गत पहली प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 289 पंजीकृत की गई है। प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार शिकायतकर्ता चंद्रभान वासी सेक्टर-2 पलवल द्वारा आरोप लगाए गए है कि अप्रैल 2021 में उसने अपनी बेटी जया शर्मा की शादी सेक्टर-85 निवासी अंकुर शर्मा के साथ की थी परंतु शादी के बाद से ही उसका दामाद व ससुराल पक्ष उसकी लडकी को कम दहेज लाने के लिए ताने मारने लगे और दहेज देने के लिए प्रताडित करने लगे तथा उसकी लडकी को मायके में आने जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया था और परिवार से भी बात नहीं करने देते थे। करीब 4 माह पहले उसकी बेटी जया को पुत्री हुई थी, मेरी बेटी का ससुराल पक्ष छूछक में दिए गए सामन से खुश नहीं थे और लडकी से 5 लाख रुपए लाने की मांग करते रहे। दिनांक 01 जुलाई को सुबह समय 3.10 बजे लडकी के ससुर अनिल शर्मा ने सूचना दी कि जया की तबियत खराब होने पर अमृता अस्पताल में भर्ती करा दिया है। इसके 10 मिनट उपरांत दोबारा से सूचना प्राप्त हुई कि जया शर्मा की मृत्यु हो गई है। जिसपर उपरोक्त अभियोग पंजीकृत किया गया है। यदि यह अभियोग आईपीएस के अंतर्गत पंजीकृत होता तो धारा 304बी,498ए,34 का अपराध बनता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद में रंजिशन गोली मारकर युवक की हत्या

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद। फरीदाबाद में बीती रात एक कांग्रेस नेता के भाई की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। बता दें की मृतक की पहचान कुनाल भड़ाना पुत्र राजेंद्र भड़ाना उम्र 32 वर्ष निवासी डबुआ पाली रोड गांव नवादा कोह के रूप में हुई है। फिलहाल आज मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। रिंकू की पुलिस को दी शिकायत के अनुसार उसे रिंकू के दोस्तों का फोन आया कि आपके भाई के साथ कुछ युवक झगड़ा कर रहे हैं। इसकी सूचना के आधार पर वह जब लगभग 11.45 बजे मस्जिद चौक पर पहुंचा। जहां उसने देखा की बिल्लू ने उसके भाई का हाथ पकड़ रखा था और विजय ने उसके भाई कुनाल की छाती में गोली मार दी। बिल्लू को विजय अन्य दो लडक़ों की मदद से अपनी स्विफ्ट गाड़ी में बैठकर मौके से मौके से भाग गए। रिंकू के मुताबिक उसके भाई कुनाल की विजय व बिल्लू के साथ रंजिश चली आ रही थी। घायल कुनाल को इंद्र व उसके साथी इलाज के लिए एशियन अस्पताल लेकर गए। जहां पर डॉक्टरों ने कुनाल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद कुनाल का साथी इंद्र व उसके अन्य साथी कुनाल के शव को बादशाह खान सिविल अस्पताल में लेकर आए और भी मोर्चरी में रखवा दिया। फिलहाल रिंकू ने विजय बिल्लू व उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ पुलिस से सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। एसीपी विष्णु प्रसाद ने बताया की इस मामले में मृतक के भाई के बयान पर 2 नामजद आरोपियों विजय और बिल्लू सहित 4 हत्यारोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसीपी विष्णु प्रसाद ने बताया की मृतक कुनाल की हत्यारोपियों से फोन पर किसी बात को लेकर बहस हुई थी। इस बात को लेकर कार में सवार होकर आए हत्यारोपियों ने आते ही कुनाल को गोली मार दी। फिलहाल आरोपियों की धर पकड़ के लिए क्राइम ब्रांच की 4 टीमें गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यशवंती मलिक बनी कांग्रेस महिला सेवादल की प्रदेश सचिव

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस महिला सेवादल की प्रदेशाध्यक्ष सुनीता शर्मा ने पंचवटी रेजिडेंट वेलफेयर एसो. सेक्टर-9 की प्रधान एवं कांग्रेसी नेत्री यशवंती मलिक को कांग्रेस महिला सेवादल का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला ने आज अपने ओल्ड फरीदाबाद स्थित कार्यालय पर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा और उम्मीद जताई कि यशवंती मलिक कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि यशवंती मलिक पिछले कई वर्षो से न केवल सामाजिक तौर पर बल्कि कांग्रेस पार्टी की भी मजबूत सिपाही की तरह कर्त्तव्यनिष्ठा से कार्य कर रही थी और उनकी मेहनत को देखते ही पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी है। श्री सिंगला ने कहा कि जिस प्रकार से लोकसभा चुनावों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत पार्टी ने हरियाणा प्रदेश में पांच सीटों पर विजयी हासिल की, उससे कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार हुआ है और अब वह विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट गए है और इस चुनाव में भी प्रत्येक कार्यकर्ता पूरे जी-जान मेहनत करके हरियाणा में फिर से चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनाने का काम करेगा। इस दौरान कांग्रेस महिला सेवादल की नवनियुक्त प्रदेश सचिव यशवंती मलिक ने अपनी नियुक्ति पर श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र ड्ढसह हुड्डा, प्रदेश प्रभारी दीपक बावरिया, कांग्रेस महिला सेवादल की प्रदेशाध्यक्ष सुनीता शर्मा, कांग्रेसी नेता लखन सिंगला सहित शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा से निभाएंगी और पार्टी से अधिक से अधिक महिलाओं को जोडक़र मजबूत करने का काम करेगी।

एडवोकेट मनीष वर्मा जिला कांग्रेस कमेटी लीगल सेल के जिला चेयरमैन नियुक्त

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद। मनीष वर्मा एडवोकेट को जिला कांग्रेस कमेटी लीगल सैल का जिला चेयरमैन नियुक्त किया गया है। पार्टी के लीगल सेल के प्रदेश चेयरमैन केसी भाटिया ने श्री वर्मा को नियुक्त किया है। मनीष वर्मा एडवोकेट ने बताया कि लीगल सैल के राज्य चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल व उनकी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के बाद कांग्रेस लीगल सेल की प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें एडवोकेट केसी भाटिया को राज्य चेयरमैन नियुक्त किया गया है। लीगल सैल का राज्य चेयरमैन नियुक्त होने के बाद एडवोकेट केसी भाटिया ने पार्टी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान से विचार विमर्श कर 31 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया है तथा 16 जिलों के चेयरमैन नियुक्त किए हैं। एडवोकेट मनीष वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा लीगल सैल के राज्य चेयरमैन एडवोकेट केसी भाटिया, पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व संसदीय सचिव शारदा राठौर, विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक रघुवीर तेवतिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लखन सिंगला, पूर्व विधायक ललित नागर, वरिष्ठ नेता जेपी नागर का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लीगल सैल के माध्यम से आम जनता से जुड़े मुद्दों को पूरी गंभीरता से उठाया जाएगा और सरकार की गलत नीतियों की पोल खोलने का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लीगल सैल की नई जिला कार्यकारिणी का जल्द ही गठन किया जाएगा। उन्होंने जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है, रोजाना मर्डर, चोरी, लूटपाट की घटनाएं बढ़ रही है जो कि चिंता का विषय है। मनीष वर्मा पूर्व ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य भी रह चुके हैं तथा हरियाणा युवा कांग्रेस लीगल सेल के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं।

बल्लभगढ़ से अधिकारी एवं सरकार सब कुंभकर्ण की नींद सोए हुए है, इन्हे जगाना-भगाना है: गिरीश भारद्वाज

Faridabad/Alive News

कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में बल्लभगढ़वासियों द्वारा बल्लभगढ़ नगर निगम ऑफिस के सामने पूरे शहर में फैली गंदगी ,जलभराव, दूषित पेजयल व्यवस्था और आवारा पशुओं आदि जनसमस्याओं के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज ने कहा कि आज जो हम धरना प्रदर्शन पर बैठे है ये कोई चुनावी मुद्दा नही हैं साफ स्वच्छ बल्लभगढ़ हमारा अधिकार है लेकिन आज पूरा बल्लभगढ़ कूड़े-गंदगी के ढेर पर बैठा है लेकिन एमसीएफ के अधिकारियों को इस बात से कोई फर्क नही पड़ता है पिछले 6-7 महीने से सवीरेज ब्लॉक होने के कारण आर्य नगर में जल भराव हो रहा है कॉलोनीवासियों के घरों में गंदा पानी जा रहा है गलियों में चलना दुर्भर हो गया ये तो सिर्फ एक कॉलोनी के बारे में बताया है लेकिन बारिश के समय पूरा बल्लभगढ़ जल मग्न हो जाता है जहाँ निकल जाओ वहाँ इतना पानी की आप नाव चला लो लेकिन एमसीएफ के अधिकारियों को इससे भी कोई फर्क नही पड़ता सब कुंभकर्ण की नींद सोए हुए है हमने ज्ञापन, विरोध मार्च आदि के माध्यम से कई बार एसडीएम साहब से लेकर मुख्यमंत्री एवं महामहिम राज्यपाल को अपने शहर की बदहाली से अवगत कराया जा चुका है लेकिन इसको लेकर कोई भी ठोस कार्यवाही नही की गई अब भी हमने जॉइन्ट कमिश्नर बल्लभगढ़ नगर निगम को इस समस्या से अवगत करवाया लेकिन परिणाम पूर्व की भांति शून्य जनता को भगवान भरोसे छोड़ रखा है। आज हम एक दिवसीय धरना प्रदर्शन पर बैठे है लेकिन यदि हमारे शहर की समस्या का समाधान नही होता है तो ये एक दिवसीय धरना प्रदर्शन बड़ा रूप ले सकता है। इस अल्पमत वाली भाजपा सरकार ने हरियाणा प्रदेश को 10 सालों में हर क्षेत्र काफी पीछे धकेल दिया है

अमृता अस्पताल में रोटरी क्लब द्वारा दो क्लेफ्ट पैलेट सर्जरी का डोनेशन

Faridabad/Alive News

अमृता अस्पताल फरीदाबाद में रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ के प्रेजिडेंट रोटेरियन सर्वप्रीत सिंह और उनकी टीम ने दो क्लेफ्ट पैलेट सर्जरी 1 जुलाई को कराने के लिए डोनेशन दिया है। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3011 का न्यू ईयर 1 जुलाई से शुरू होने के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब ने यह फैसला लिया।अमृता हॉस्पिटल में यह सर्जरी प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. मोहित शर्मा और उनकी टीम द्वारा की गई। इस टीम ने दिसंबर 2023 में उत्तर भारत का पहला दोनों हाथों का हैंड ट्रांसप्लांट और एशिया के ऐसे व्यक्ति का हैंड ट्रांसप्लांट किया था जिसका पहले ही किडनी ट्रांसप्लांट हो चुका था। इन बच्चों की सफल सर्जरी के बाद, रोटेरियन सर्वप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि स्वस्थ होने के बाद ये बच्चे एक अच्छा जीवन जी सकेंगे। रोटेरियन सर्वप्रीत सिंह ने बताया कि इन सर्जरी को कराने की प्रेरणा उन्हें अपनी माताजी श्रीमती परमजीत सिंह और पिताजी श्री कंवरजीत सिंह से मिली,

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448